सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सर के चुनर विवाद से नोरा ने पल्ला झाड़ा पेज: 8

महाड़ सत्याग्रह के 99 वर्ष - पानी पीने के अधिकार ..... पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 339 | शनिवार 21 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में फंसी लिफ्ट, दम घुटने से मरीज के परिजन की मौत

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में शुक्रवार तड़के ट्रामा केयर सेंटर की लिफ्ट में फंसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की लापरवाही को लेकर तनाव फैल गया। जानकारी के मुताबिक मृतक अस्पताल में भर्ती मरीज का परिजन बताया जा रहा है, जो पांचवीं मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुआ था। अचानक तकनीकी खराबी के कारण लिफ्ट बीच में ही अटक गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोप है कि उस समय लिफ्ट का संचालन करने के लिए कोई ऑपरेटर वहां मौजूद नहीं था, जिसके कारण समय रहते उसे बाहर नहीं निकाला जा सका और लिफ्ट के अंदर ही उसने दम तोड़ दिया। सुबह घटना की खबर फैलते ही मृतक के परिजनों और अन्य मरीजों के रिश्तेदारों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया और सुरक्षा पर सवाल उठाए। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। अस्पताल सूत्रों का कहना है कि लिफ्ट में ऑपरेटर की अनुपस्थिति और तकनीकी खराबी के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

उत्तरप्रदेश के कई जिलों में बारिश से बिगड़े हालात... ओले गिरने से किसान चिंतित

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को मौसम बिगड़ गया। लखनऊ में सुबह 10 बजे अचानक अंधेरा छा गया। इसके बाद तेज हवा के साथ बारिश हुई। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। अयोध्या, बाराबंकी, सीतापुर और सिद्धार्थनगर में भी तेज बारिश के साथ ओले गिरे। इसके पहले प्रयागराज और मथुरा में तेज बारिश हुई। इतना ही नहीं धूलभरी आंधी चली। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। स्कूली बच्चे और दफ्तर के लिए निकले लोग रेनकोट और छातों के साथ नजर आए। कानपुर, नोएडा, आगरा, अलीगढ़, मेरठ सहित 25 से ज्यादा जिलों में रुक-रुक कर बारिश हुई। काशी में आंधी के साथ बूंदाबांदी हुई। घाटों पर दुकान लगाने वाले लोग सामान समेटकर लौट गए। वहीं, प्रयागराज, बलरामपुर, बहराइच और मिर्जापुर में आकाशीय बिजली गिरने से 3 किसानों सहित 5 की मौत हो गई। कई जगह गेहूं की खड़ी फसलें गिर गईं। किसानों का कहना है कि बेमौसम बारिश से सरसों और आलू की फसल भी खराब हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने की वजह से पूरे प्रदेश में मौसम बदल गया है। अगले 2 दिन मौसम ऐसे ही बिगड़ा रहेगा। 40 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

वाराणसी में कॉलेज कैंपस में छात्र की गोली मारकर हत्या, पुलिस हत्यारे की तलाश में जुटी

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी के उदय प्रताप कॉलेज में शुक्रवार सुबह बीएससी छात्र की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या से हड़कंप मच गया। घटना करीब साढ़े 10 बजे कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के बाहर हुई, जहां हमलावर ने छात्र सूर्य प्रताप सिंह (23) पर चार गोलियां दागीं। घायल छात्र को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित किया। इस घटना के बाद परिसर में तनाव फैल गया और आक्रोशित छात्रों ने जमकर हंगामा किया। कॉलेज के अंदर कुर्सियां तोड़ी गईं, जबकि बाहर दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की गई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने कॉलेज का मुख्य गेट बंद कर आसपास की करीब 150 दुकानों को भी बंद कराया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सात थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई। करीब तीन घंटे बाद गेट खोला गया, लेकिन बाहर निकलते समय छात्रों ने फिर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें तीन प्रोफेसर घायल हो गए। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। पुलिस के अनुसार, मृतक गाजीपुर का निवासी था और सेकेंड ईयर का छात्र था, जबकि आरोपी मंजीत सिंह, बीए सेकेंड ईयर का छात्र, वाराणसी के चांदमारी क्षेत्र का रहने वाला है। आरोपी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छह टीमें गठित की गई हैं। घटना के बाद परिजनों और छात्रों में गहरा शोक और आक्रोश है।

शिल्पा शेट्टी को 12.5 करोड़ रुपए के गिफ्ट मामले में बड़ी राहत

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को 12.5 करोड़ रुपए के गिफ्ट मामले में बड़ी राहत मिली है। यह मामला उनके पति राज कुंद्रा द्वारा दिए गए गिफ्ट से जुड़ा था। साल 2019-20 में इनकम टैक्स अधिकारियों ने यह राशि शिल्पा की इनकम में जोड़ दी थी, क्योंकि उन्हें यह अनक्लियर क्रेडिट लगा। जांच में पाया गया कि गिफ्ट डीड और पैन डिटेल्स से केवल लेन-देन की पुष्टि नहीं होती, और गिफ्ट देने वाले की क्रेडिटवर्थनेस भी साबित नहीं हो सकी। इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) की मुंबई बेंच ने कहा कि गिफ्ट डीड में भुगतान का तरीका, बैंक डिटेल्स या रकम ट्रांसफर करने का विवरण नहीं दिया गया था। शिल्पा ने गिफ्ट डीड, पैन डिटेल्स और पति की इनकम टैक्स रिटर्न की रसीद पेश की, लेकिन उनके पति की आय 27.7 लाख रुपए दिखी, जो दिए गए 12.5 करोड़ रुपए से मेल नहीं खाती। शिल्पा ने यह भी दावा किया कि उनके पति को विदेशी संस्था से फंड मिला था, लेकिन टैक्स रिटर्न में सही विवरण नहीं था। आईटीएटी ने शिल्पा को राहत दी, लेकिन मामले की दुबारा जांच के निर्देश भी दिए। जांच अधिकारी को निर्देश हैं कि वे शिल्पा के बैंक और फाइनेंशियल रिकॉर्ड की पूरी समीक्षा करें और उन्हें गिफ्ट की सच्चाई साबित करने का मौका दें। इनकम टैक्स की धारा 68 के तहत टैक्सदाता की जिम्मेदारी होती है कि वह प्राप्त राशि की पहचान, सच्चाई और क्रेडिटवर्थनेस साबित करे। बेंच ने स्पष्ट किया कि केवल दस्तावेजी प्रक्रिया गिफ्ट की वास्तविकता साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

जुबीन गर्ग मौत मामले में रोजाना सुनवाई, सीएम सरमा ने किया फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने चर्चित सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन किया है, जो इस मामले की रोजाना सुनवाई करेगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर दी। उन्होंने विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट के गठन को न्याय प्रक्रिया को तेज करने और लंबी देरी से बचने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। असम के गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने बक्सा जिले की जिला जज शर्मिला भुयान को फास्ट-ट्रैक कोर्ट का जिम्मा सौंपा है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि इस पहल से न्याय व्यवस्था और मजबूत होगी और उन्होंने जस्टिस आशुतोष कुमार व चीफ जस्टिस का धन्यवाद किया।

राज्यसभा चुनाव में बीजेपी की ओर से मिला था ऑफर, जिसे ठुकरा दिया

-कांग्रेस विधायक अभिषेक रंजन का दावा, बिहार की राजनीति गरमाई

पटना (एजेंसी)। चनपटिया से कांग्रेस विधायक अभिषेक रंजन का दावा सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि बड़ा राजनीतिक संकेत है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में उन्हें बीजेपी की ओर से ऑफर मिला, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। उनके मुताबिक यह सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि सिद्धांत और विचारधारा का सवाल था। उन्होंने साफ किया कि पार्टी उनके लिए सर्वोपरि है और किसी भी प्रलोभन को उन्होंने स्वीकार नहीं किया। यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब कांग्रेस के कई विधायकों की अनुपस्थिति चर्चा में है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्यसभा चुनाव के दौरान महागठबंधन को उस वक्त झटका लगा, जब उसके चार विधायक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। इनमें तीन कांग्रेस और एक राजद विधायक हैं। वोटिंग के दिन इन विधायकों के फोन बंद रहे और वे संपर्क से बाहर बताए गए। यह स्थिति सामान्य राजनीतिक असहमति से कहीं ज्यादा गंभीर मानी जा रही है। सवाल उठ रहा है कि यह महज संयोग था या फिर किसी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा। यहीं से ऑपरेशन लोटस

जैसे आरोपों को भी हवा मिलती दिख रही है।

बिहार में राज्यसभा की पांचों सीटों पर एनडीए की जीत ने इस पूरे विवाद को और गहरा दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत एनडीए के सभी उम्मीदवार विजयी रहे। इसके साथ ही नितिन नबीन, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाह और सिवेश राम ने भी जीत दर्ज की। महागठबंधन के लिए यह परिणाम राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक दोनों स्तरों पर झटका है। खासतौर पर तब जब संख्या बल के बावजूद एकजुटता पर सवाल उठे हों। नतीजों ने इस पूरे घटनाक्रम को महज चुनाव नहीं, बल्कि रणनीतिक खेल बना दिया। अभिषेक रंजन के 'ऑफर' वाले बयान ने अनुपस्थित विधायकों की भूमिका पर सवाल खड़े किए। उन्होंने संकेत दिया कि विधायकों को प्रभावित करने की कोशिशें हो सकती हैं। सिर्फ वोट नहीं, बल्कि अनुपस्थित रहने के लिए भी प्रलोभन दिए जाने की बात कही गई। हालांकि उन्होंने किसी विशेष विधायक पर सीधा आरोप लगाने से परहेज किया।

उन्होंने यह जरूर कहा कि मौजूदा माहौल में हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इससे यह बहस और तेज हो गई है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित हुई। विधायकों की अनुपस्थिति ने नेतृत्व और समन्वय की स्थिति पर बहस छेड़ दी है। तीन महीने पहले चुनावी झटका झेल चुके तेजस्वी यादव के लिए यह स्थिति और चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि क्या गठबंधन के भीतर भरोसे की कमी उभर रही है। हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी तक स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है। लेकिन चुप्पी और विरोधाभासी संकेतों ने सस्पेंस को और गहरा कर दिया है।

चीन के आसमान से एयर इंडिया की फ्लाइट ने लिया यू-टर्न, 4 घंटे बाद वापस दिल्ली लौटा विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कनाडा के वैंकूवर के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-185 को चीन के आसमान से अचानक वापस लौटना पड़ा। करीब चार घंटे का सफर तय करने के बाद विमान ने बीच रास्ते से ही यू-टर्न ले लिया, जिसके चलते न केवल वैंकूवर जाने वाले यात्री परेशान हुए, बल्कि वैंकूवर से कोलकाता होते हुए दिल्ली आने वाली वापसी की उड़ान को भी रद्द करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, यह विमान गुरुवार सुबह लगभग 11:30 बजे दिल्ली से रवाना हुआ था। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थितियों को देखते हुए इस उड़ान के मार्ग में बदलाव किया गया था। निर्धारित योजना के तहत विमान को म्यांमार, चीन, पूर्वी चीन सागर, जापान और अलास्का की खाड़ी के ऊपर से होते हुए वैंकूवर पहुंचना था। लेकिन जब विमान चीन के क्यूजिंग शहर के ऊपर उड़ान भर रहा था, तब कुछ ऐसी परिस्थितियां बनीं कि पायलट को मिशन बीच में ही छोड़ने का फैसला लेना पड़ा। दोपहर करीब 3:30 बजे विमान ने क्यूजिंग के ऊपर से मोड़ लिया और वापस दिल्ली की ओर रुख किया। करीब चार घंटे की उड़ान के बाद यू-टर्न लेने वाला यह विमान कल शाम 7:30 बजे वापस दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कर गया। हालांकि, एयरलाइन की ओर से इस अचानक यू-टर्न के सटीक तकनीकी या परिचालन कारणों का खुलासा आधिकारिक तौर पर नहीं किया गया है, लेकिन एयरपोर्ट सूत्रों का कहना है कि विपरीत परिस्थितियों के चलते सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया। इस घटनाक्रम के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया अब प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने में जुटी है। इस मार्ग पर उड़ानों के रद्द होने से अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर भी असर पड़ा है।

बिहार में गैस संकट के बीच श्मशान के कोयले से जल रही होटलों, रेस्टोरेंट के साथ स्ट्रीट फूड वालों की भट्टी

-इसी श्मशान के कोयले से ही अगरबत्ती बनाई जाती

पटना(एजेंसी)। इंसान की हड्डियां मरने के बाद चिंता पर जल जाती है। लेकिन क्या आपको पता हैं कि श्मशान में सब कुछ बिक जाता है। बड़ा कोयला होटलों में और छोटा अगरबत्ती की फैक्ट्रियों में भेज दिया जाता है। बिस्किट की फैक्ट्रियों में भी इस कोयला से सब तैयार होता है। एक, दो नहीं बिहार में बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां भी इसी कोयले से माल तैयार कर रही हैं। इसी कोयले से बनी अगरबत्ती कई राज्यों में जा रही है। गुलाब, केवड़ा, चंदन से लेकर जो भी फ्लेवर हो, लेकिन अंदर, तब हमारा दिया बुरादा होता है।

श्मशानों का कोयला होटल और फैक्ट्रियों में सप्लाई करने वाले एजेंट्स का खुलासा हैरान करने वाला है। एजेंट्स सेहत के साथ आस्था से भी खेल रहे हैं। देश में अगरबत्ती का 10 से 12 हजार करोड़ का कारोबार है। इसमें इकलौते बिहार में 800 से 1500 करोड़ का कोराबार है।

रिपोर्ट के अनुसार गैस संकट के बीच बिहार के होटलों और रेस्टोरेंट के साथ स्ट्रीट फूड के वेंडरों तक श्मशान के कोयले की सप्लाई हो रही है। नेटवर्क को एक्सपोज करने के लिए हमारी टीम ने होटल संचालक और फैक्ट्री मालिक बनकर डील की। हम पटना, गया, नालंदा, वैशाली, सारण, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण सहित 12 जिलों में गए। बड़े पैमाने पर होटलों में श्मशान के कोयले की सप्लाई चेन के साथ अगरबत्ती फैक्ट्री का भी खुलासा हुआ। श्मशान से कोयला सप्लाई करने वाला पूरा सिंडिकेट काम कर रहा है। कोयला सप्लाई के लिए एजेंट्स ने अलग-अलग गाड़ियां भी लगा रखी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार पटना के बांस घाट में मौजूद एक एजेंट से हुई बातचीत में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। होटलों में श्मशान के कोयले की सप्लाई की डील के दौरान ही इस एजेंट ने अगरबत्ती की फैक्ट्रियों में कोयला सप्लाई करने का खुलासा भी किया। एजेंट ने बताया कि कोयले से अगरबत्ती बनाई जाती है। यहां से कोयला दूर-दूर तक जाता है।

चुनाव आयोग की प्रशासनिक सर्जरी से नाखुश ममता सरकार... पहुंची कलकत्ता हाईकोर्ट

टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी ने दायर की याचिका

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव से पूर्व तृणमूल कांग्रेस और चुनाव आयोग में तनाव जारी है। टीएमसी ने शुक्रवार को बंगाल में कई आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी द्वारा दायर याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को प्रतिवादी बनाया गया है।

याचिका में चुनाव आयोग के उस फैसले पर सवाल उठाया है, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार से सलाह किए बिना अधिकारियों का तबादला किया। इस मामले की सुनवाई अगले हफ्ते की शुरुआत में हो सकती है। चुनाव आयोग ने 15 मार्च को विधानसभा चुनावों की घोषणा करने के कुछ ही घंटों के भीतर, मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित बड़ी संख्या में सीनियर अधिकारियों का

तबादला किया गया था।

वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फैसले की आलोचना कर 'अघोषित आपातकाल' बताया। उन्होंने संस्थागत हेरफेर के द्वारा बंगाल पर कब्जा करने की सोची-समझी साजिश बताया। उन्होंने कहा कि हम जो देख रहे हैं, वहां अघोषित आपातकाल से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों से नहीं, बल्कि राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। ममता ने बाद में चुनाव आयुक्त कुमार को पत्र लिखकर चुनाव आयोग के इसतरह के 'मनमाने, एकतरफा और पक्षपातपूर्ण' कदमों से परहेज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने शालीनता और संवैधानिक मर्यादा की सभी सीमाएं लांघ दी हैं। उन्होंने कहा कि तथाकथित विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत के बाद से चुनाव आयोग ने स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया है और जमीनी हकीकतों या लोगों की भलाई की जरा भी परवाह नहीं की है।

आयोग ने सीनियर पुलिस अधिकारियों के कुछ इंटर-स्टेट ट्रांसफर के आदेशों पर रोक लगा दी। बिधाननगर के सीपी मुरलीधर शर्मा और सिलीगुड़ी के सीपी सैयद वकार रजा, जिन्हें पहले तमिलनाडु जाने के लिए कहा गया था, उन्हें अब इंतजार करने को बोल गया है।

सोशल मीडिया पर लगाई जा रही पाबंदियों पर बोली कांग्रेस- असहमति को दबा रही है मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जनता के मुद्दे उठाने वाले विभिन्न अकाउंट्स को ब्लॉक करने, उनका कंटेंट हटाने और क्रिएटर्स पर कार्रवाई को अभिव्यक्ति की आजादी पर गंभीर हमला बताया है। उल्लेखनीय है अब विभिन्न मंत्रालयों को सोशल मंडिया कंटेंट की जिम्मेदारी देने की तैयारी है। जिसके तहत अन-सोशल, झूठे, अफवाह फैलाने वाले कंटेंट को ब्लॉक करने को शक्ति विभिन्न मंत्रालयों को दी जाएगी।

कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सोशल मीडिया पर मोदी सरकार की आलोचना और जन मुद्दों को उठाने वाली आवाज़ों को व्यवस्थित तरीके से दबाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज सुबह एक्स (ट्विटर) पर कई ऐसे अकाउंट्स को भारत में ब्लॉक कर दिया गया, जो सरकार की विफलताओं को उजागर करते थे और आम लोगों के मुद्दे उठाते थे। 4 पीएम चैनल के दोबारा सस्पेंड होने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इसी तरह कई यूट्यूब चैनल्स सस्पेंड किए गए हैं। इंस्टाग्राम अकाउंट्स और रील्स भी निशाने पर लिए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कारवां मैगजीन को मोदी की तस्वीर के साथ 'हीरो ऑफ़

हेटरेड' के कैप्शन वाली कवर फ़ोटो पोस्ट करने पर उसे डिलीट करने का आदेश आया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के जरिए यह कार्रवाई की जा रही है। सरकारी अधिकारी तय कर रहे हैं कि क्या कंटेंट चलेगा और क्या नहीं। श्रीनेत ने बताया कि उन्हें स्वयं 11 ऐसे ईमेल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आ चुके हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार आर्थिक, कूटनीतिक, राजनीतिक और सामाजिक समेत हर मोर्चे पर विफल साबित हो चुकी है। मोदी सरकार के नामी लोगों का नाम एपस्टीन फाइल में है और हर मोर्चे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी सरकार की काली करतूतों का पर्दाफाश हो रहा है। ऐसे में विपक्ष के साथ ही देश की आम जनता मोदी सरकार से सवाल पूछ रही है। सरकार ने मुख्यधारा की मीडिया को अपने अधीन ले लिया है। आम लोगों के लिए सवाल पूछने का साधन सोशल मीडिया बन गया है। ऐसे में सरकार चाहती है कि जो सवाल मुख्यधारा की मीडिया नहीं उठा रही है, वह सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स भी न उठाएं।

गैस बुकिंग को लेकर साइबर ठग सक्रिय, भेज रहे एपीके फाइन नहीं करें डाउनलोड

-ऐप के जरिए ठग आपके फोन में मौजूद संवेदनशील जानकारी हासिल कर लेते हैं

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। अगर आपके मोबाइल पर अचानक गैस बुकिंग अपडेट या एलपीजी बिल पेंडिंग का मैसेज आए, तो यह कोई साधारण नोटिफिकेशन नहीं, बल्कि एक साइबर ट्रैप हो सकता है इसलिए सावधान रहें। केरल पुलिस ने एक नए तरह के फ्रॉड को लेकर अलर्ट जारी किया है, जिसमें ठग गैस सिलेंडर बुकिंग के बहाने लोगों के बैंक अकाउंट तक पहुंच बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में एजेंसी के मुताबिक साइबर ठग इन दिनों एलपीजी सिलेंडर की कमी की खबरों के बीच लोगों की परेशानी का फायदा उठा रहे हैं। सबसे पहले आपके मोबाइल पर एक एसएमएस आता है, जिसमें लिखा होता है कि आपका गैस बिल अपडेट करना है या बुकिंग अधूरी है। इसके बाद ठग व्हाटसएप के जरिए आपसे संपर्क करते हैं और एक फाइल भेजते हैं-जिसका नाम होता है गैस बिल अपडेट एपीके।

यह एपीके फाइल असल में एक खतरनाक ऐप होती है। जैसे ही कोई यूजर इसे इंस्टॉल करता है, उसका पूरा मोबाइल

फोन ठगों के कंट्रोल में चला जाता है। इस ऐप के जरिए ठग आपके फोन में मौजूद संवेदनशील जानकारी हासिल कर लेते हैं। इसमें आपके बैंकिंग ऐप्स, यूपीआई डिटेल्स, पासवर्ड और यहां तक कि ओटीपी भी शामिल हो सकते हैं। इसके बाद बिना आपकी जानकारी के आपके बैंक अकाउंट से पैसे गायब होने लगते हैं। कई मामलों में लोगों को तब पता चलता है जब उनके अकाउंट से रकम निकल चुकी होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन सर्विसेज के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर फ्रॉड के तरीके भी तेजी से बदल रहे हैं। गैस बुकिंग जैसी रोजमर्रा की सेवाओं को निशाना बनाना इसलिए आसान है, क्योंकि लोग इनसे जुड़े मैसेज पर जल्दी भरोसा कर लेते हैं। ऊपर से अगर मैसेज में अर्जेंट या लास्ट चांस जैसे शब्द हों, तो लोग जल्द लिंक पर क्लिक कर देते हैं। केरल पुलिस ने साफ कहा है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और व्हाटसएप या एसएमएस के जरिए आए एपीके फाइल को कभी भी डाउनलोड या इंस्टॉल न करें। अगर गलती से आपने ऐसा कोई ऐप इंस्टॉल कर लिया है या आपको लगता है कि आपके साथ फ्रॉड हुआ है, तो तुरंत कार्रवाई करें। सबसे पहले अपने बैंक को जानकारी दें और अपने अकाउंट को सेफ करें। इसके बाद राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

नागरिकों की हिरासत पर यूक्रेन का दावा कहा- भारत से हमारे रिश्ते खराब कराना चाहता है रूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में हिरासत में लिए गए छह यूक्रेनी नागरिकों के मामले ने अब एक गंभीर राजनयिक मोड़ ले लिया है। यूक्रेन सरकार ने इस मामले में भारत से निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग करते हुए अपने नागरिकों की किसी भी प्रकार की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता के दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। यूक्रेन का आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे रूस का हाथ हो सकता है, जो भारत और यूक्रेन के बीच के मजबूत होते द्विपक्षीय संबंधों में दरार पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब मिजोरम में बिना वैध अनुमति (ऑथराइजेशन) के प्रवेश करने और संदिग्ध गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक को हिरासत में लिया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन व्यक्तियों पर म्यांमार के उन गुटों की सहायता करने का संदेह है, जिनके संबंध भारत विरोधी विद्रोही समूहों से माने जाते हैं। इस संवेदनशील मामले पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया है कि भारत के कुछ क्षेत्र प्रतिबंधित और संरक्षित श्रेणी में आते हैं, जहाँ यात्रा के लिए विशेष अनुमति अनिवार्य है। चूंकि यह मामला अब अदालत के अधीन है, इसलिए तथ्यों की प्रस्तुति के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। भारत में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्जेंडर पोलिशचुक ने इस संबंध में विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर अपने नागरिकों तक राजनयिक पहुंच (कंसुलर एक्सेस) प्रदान करने का आग्रह किया है। यूक्रेनी दूतावास द्वारा जारी एक कड़े बयान में कहा गया है कि यूक्रेन खुद रूसी आतंक का सामना कर रहा है, इसलिए वह आतंकवाद के किसी भी रूप के खिलाफ एक अडिग रुख रखता है। दूतावास ने उन मीडिया रिपोर्ट्स पर भी गहरी चिंता जताई है जिनमें दावा किया गया था कि यह कार्रवाई रूसी खुफिया जानकारी के आधार पर की गई है। यूक्रेन ने इसे राजनीति से प्रेरित कदम बताते हुए रूस पर दो मित्र देशों के बीच अविश्वास पैदा करने का आरोप लगाया है।यूक्रेन ने अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा के दौरान जारी किए गए उस संयुक्त बयान का भी हवाला दिया, जिसमें दोनों देशों ने मिलकर आतंकवाद की निंदा की थी। यूक्रेन ने भारतीय अधिकारियों को आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता संधि के तहत पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। साथ ही, यूक्रेन ने चेतावनी दी है कि यदि इस मामले का उपयोग उसे बदनाम करने या भारत-यूक्रेन संबंधों को नुकसान पहुँचाने के लिए किया गया, तो इसे द्विपक्षीय विश्वास पर जानबूझकर किया गया हमला माना जाएगा।

सृष्टि संतुलन के लिये वनों की पुकार सुननी होगी

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस,

ललित गर्ग

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

21 मार्च को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस केवल एक प्रतीकात्मक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती की ओर संकेत करने वाला अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2012 में इस दिवस की घोषणा इस उद्देश्य से की गई थी कि विश्व समुदाय वनों के महत्व को समझे, उनके संरक्षण के लिए संगठित प्रयास करे और प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़े। आज जब पृथ्वी अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकटों से जूझ रही है, तब इस दिवस की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। वर्ष 2026 की थीम 'वन और भोजन' यह स्पष्ट करती है कि वन केवल हरित आच्छादन नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के मूल स्तंभ हैं।

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं। इसके बावजूद, विडंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है। यही कारण है कि आज वन महोत्सव जैसे आयोजनों की आवश्यकता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण के रूप में महसूस की जा रही है।

वनों की उपयोगिता का दायरा केवल पर्यावरणीय संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक जीवन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 2026 में प्रस्तावित 'वनों और अर्थव्यवस्था' थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वन सतत आर्थिक विकास के आधार हैं। लाखों लोगों की आजीविका सीधे तौर पर वनों पर निर्भर है। लघु वनोपज, औषधीय पौधे, रेजिन, गोंद, शहद और बांस जैसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, बल्कि

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके साथ ही, इको-टूरिज्म के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इस प्रकार वन एक ऐसे आर्थिक संसाधन के रूप में सामने आते हैं, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। वनों का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। विशेष रूप से स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के लिए वन जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी परंपराएँ, आस्थाएँ और जीवनशैली वनों से ही संचालित होती हैं। वन उनके लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार हैं। इसी कारण, वन संरक्षण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण का भी विषय है। वन महोत्सव जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर इस साझा जिम्मेदारी का बोध कराते हैं कि वनों की रक्षा केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

भारत के संदर्भ में वनों का महत्व और भी अधिक व्यापक और बहुआयामी है। यहाँ वन केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक हैं। भारतीय परंपरा में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, वट और नीम जैसे वृक्ष केवल जैविक इकाइयाँ नहीं, बल्कि जीवनदायी शक्ति के रूप में पूजे जाते हैं। भारत की समृद्ध जैव विविधता वनों पर ही निर्भर है, और इसका संरक्षण देश की पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। वन देश की जलवायु को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को नियंत्रित करने और कृषि उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में वनों की उपयोगिता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वे ग्रामीण और आदिवासी जीवन की आधारशिला हैं। देश के लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। भोजन, ईंधन, चारा और औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति वनों के माध्यम से होती है। इसके अतिरिक्त, वन जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे नदियों और जल स्रोतों का अस्तित्व बना रहता है। आज जब देश के कई हिस्सों में जल संकट गहराता जा रहा है, तब वन संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है।

वर्तमान शासनकाल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन संरक्षण और हरित विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। 'हरित भारत मिशन' के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य देश के वन क्षेत्र को बढ़ाना और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है। 'नमामि गंगे' परियोजना के माध्यम से नदियों के किनारे वृक्षारोपण कर जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही, कैम्पा फंड के प्रभावी उपयोग से वन पुनर्स्थापन और संरक्षण कार्यों को गति मिली है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भी हरित आवरण बढ़ाने के लिए मियावाकी पद्धति को प्रोत्साहित किया है, जिससे छोटे-छोटे स्थानों में घने वन विकसित किए जा रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की नीतियाँ यह दर्शाती हैं कि यदि सही दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि इन प्रयासों में जनसहभागिता को और अधिक बढ़ाया जाए, क्योंकि वनों की सुरक्षा केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक प्रयासों से ही सुनिश्चित की जा सकती है।

अंततः वन महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस हमें यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही मानव सभ्यता की स्थिरता का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वनों को केवल संसाधन के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन का अभिन्न अंग मानें। जब तक यह दृष्टिकोण विकसित नहीं होगा, तब तक पर्यावरणीय संकटों का समाधान संभव नहीं है। यदि हम सचमुच अपने भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें वनों की रक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। यही वन महोत्सव की वास्तविक सार्थकता है और यही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस का मूल संदेश भी।

संपादकीय

खौफ का खेल

सिटी ब्यूटीफुल के नाम से मशहूर शहर चंडीगढ़ कुछ समय पहले तक, अपनी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिये मशहूर रहा है। इस शहर को लंबे समय तक हिंसा व अपराधों से सुरक्षित माना जाता रहा है। लेकिन विडंबना है कि अब यह तेजी से असुरक्षित होता जा रहा है। पिछले दिनों चंडीगढ़ का पॉश इलाका माने जाने वाले सेक्टर नौ में एक युवा प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े हुई चौंकाने वाली हत्या ने शहर की शांति व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाया। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा की सावधानीपूर्वक बनायी गई इस केंद्रशासित प्रदेश की छवि को धूमिल किया है। निस्संदेह, इस केंद्र शासित प्रदेश के सबसे समृद्ध और सुरक्षित इलाकों में से एक सेक्टर में, इस तरह की सरेआम निर्मम हत्या होना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह बेहद गंभीर अपराध बढ़ने का संकेत भी देता है। शुरूआती रिपोर्टों में इस अपराध को गैंगस्टरों की आपसी दुश्मनी से जोड़ कर देखा जा रहा है। जिसमें लकी पटियाला और बबीहा गैंग जैसे नामों का जिक्र सामने आया है। यह हत्याकांड एक चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करता है कि अब संगठित अपराध उन शहरी केंद्रों में लगातार बढ़ रहे हैं, जिन्हें कभी इस तरह की गैंगवार से अछूता समझा जाता था। माना जाता रहा है कि चंडीगढ़ पुलिस यथाशीघ्र अपराध की जड़ तक पहुंचकर अपराधियों पर शिंकजा कसने में सफल रहती है। यह चौंकाने वाली बात है कि हाल के वर्षों में पंजाब में गैंगवार में होने वाली हिंसा और जबरन वसूली के रैकेट में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जिसका सबसे प्रमुख उदाहरण मशहूर सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या है। निस्संदेह, सेक्टर नौ में दिनदहाड़े हुई हत्या से साल 2017 में हुए आकांक्षा सेन हत्याकांड की टीस एक बार फिर उभर आई। यह भी एक ऐसा ही हाई-प्रोफाइल मामला था। जिसमें न्याय मिलने में लगातार हुई देरी के कारण आज भी लोगों के मन में गहरी कसक व्याप्त है। निस्संदेह, दोनों ही हत्याकांडों से जुड़ी समानताएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। मसलन, अपराध सार्वजनिक रूप से हुए हैं। जिससे अपराध को रोकने की पुलिस की क्षमता पर सवाल उठाए गए हैं। इसमें एक सवाल जवाबदेही का भी है। वास्तव में इस तरह सरेआम दिन दहाड़े होने वाले अपराध सार्वजनिक विमर्श में कई संवेदनशील सवालों को जन्म देते हैं। इस घटना से जुड़ा सबसे चिंताजनक पहलू है हत्याकांड में शामिल रहे अपराधियों का दुस्साहस। निर्विवाद रूप से सार्वजनिक स्थल के बाहर दिन-दहाड़े की गई हत्या बताती है कि ये अपराधियों में कानून-व्यवस्था के प्रति डर समाप्त होने का संकेत है। जिसके परिणामस्वरूप कानून प्रवर्तन की निवारक क्षमता कमजोर हो जाती है। निस्संदेह, इस तरह की घटनाओं को लेकर खुफिया जानकारी जुटाने, पुलिस समन्वय और ऐसे हमलों को रोकने की क्षमता पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। कोई शक नहीं कि चंडीगढ़ को अब किसी भी तरह की लापरवाही का शिकार बनने नहीं दिया जा सकता। प्रशासन को प्रतिक्रियात्मक पुलिसिंग के बजाय सक्रिय और खुफिया जानकारी आधारित रणनीति अपनानी होगी।

चिंतन-मनन

धर्म क्या है?

धर्म के मुख्यतः दो आयाम हैं। एक है संस्कृति, जिसका संबंध बाहर से है। दूसरा है अध्यात्म, जिसका संबंध भीतर से है। धर्म का तत्व भीतर है, मत बाहर है। तत्व और मत दोनों का जोड़ धर्म है। तत्व के आधार पर मत का निर्धारण हो, तो धर्म की सही दिशा होती है। मत के आधार पर तत्व का निर्धारण हो, तो बात कुरूप हो जाती है।

एक संत आता है। भीतर की गुफा में जाकर धर्म के तत्व अध्यात्म को जानता है। फिर वह चला जाता है। फिर मत बचा रहता है। उसके आधार पर एक संस्कृति विकसित होती है। संस्कृति के फूल खिलते हैं। काल प्रम में संस्कृति मुख्य हो जाती है। अध्यात्म गौण हो जाता है। और फिर एक संत को, एक जीवित संत को इस धरती पर आना पड़ता है। फिर से अंगारे जलाने होते हैं। फिर से दीप जलाना होता है।

जो दीप कभी जला था, उसके आधार पर जो गीत रह गए थे, वे पुराने पड़ जाते हैं। फिर से एक नया दीपक जलता है। नई रोशनी आती है। नया गीत फूटता है। नई नदी बहती है। सब कुछ नूतन हो जाता है। तो कहूँगा कि तुम जानो या न जानो, तुम सब धर्म के मार्ग पर ही हो। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हैं, जो धर्म के मार्ग पर नहीं है।

यह और बात है कि उसे पता है, या नहीं पता है। लेकिन धर्म का तत्व क्या है? धर्म का उद्गम क्या है? कहाँ पहुँचना है हमें? गंतव्य कहाँ है? उस बात को बताने के लिए ही संत इस धरती पर आता है। स्वामी विवेकानंद जी भी आए। और ये याद दिलाने के लिए आता है संत कि तुम कौन हो? अमृतस्य पुत्रा?। तुम राम-कृष्ण की संतान हो। तुम कबीर और गुरुनानक की संतान हो। तुम बुद्ध और महावीर की संतान हो। तुम क्यों दीन-हीन और दरिद्र जैसा जीवन जी रहे हो? क्यों अशांत हो, क्यों दुःखी हो? अपना स्वरूप हम भूल गए हैं। करीब-करीब ऐसे ही हम जीवन जीते हैं अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

राजस्थान का लोक उत्सव है गणगौर

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भावना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीघार्यु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रृद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रृद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

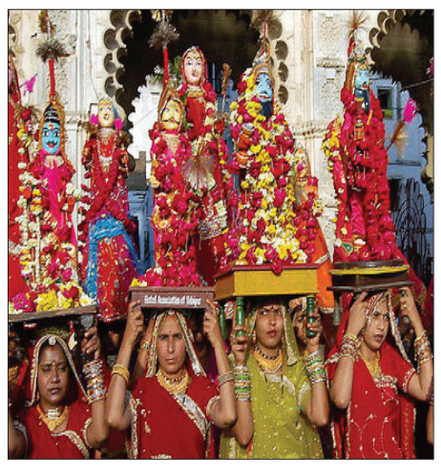

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं।

कार्यस्थल, महिला स्वास्थ्य और मासिक धर्म अवकाश

डॉ. प्रियंका सौरभ

क्या अनिवार्य अवकाश नीति महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाती है या उनके पेशेवर अवसरों को सीमित करने का जोखिम भी साथ लाती है?

मासिक धर्म स्त्री जीवन की एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, किंतु लंबे समय तक इसे सामाजिक संकोच, मौन और उपेक्षा के दायरे में रखा गया। आधुनिक समय में जब कार्यस्थलों पर लैंगिक समानता, समावेशिता और संवेदनशील नीतियों की चर्चा तेज हुई है, तब 'अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश' की अवधारणा भी विमर्श के केंद्र में आई है। कई देशों और संस्थानों ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान विशेष अवकाश देने की नीतियाँ अपनाई हैं, ताकि वे शारीरिक असुविधा और मानसिक तनाव के समय आराम कर सकें। किंतु यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसी अनिवार्य नीतियाँ वास्तव में कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देती हैं, या फिर अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को और मजबूत कर देती हैं। इस संदर्भ में इस मुद्दे का आलोचनात्मक विश्लेषण आवश्यक है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि मासिक धर्म के दौरान कई महिलाओं को शारीरिक पीड़ा, थकान, चक्कर, या हार्मोनल परिवर्तन के कारण मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कार्यस्थल पर निरंतर काम करना उनके लिए कठिन हो सकता है। अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की नीति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना है। यह नीति इस बात को स्वीकार करती है कि महिलाओं की जैविक आवश्यकताएँ भिन्न होती हैं और उन्हें उसी अनुसार कार्यस्थल पर सहूलियत मिलनी चाहिए। इस दृष्टि से यह नीति लैंगिक संवेदनशीलता का प्रतीक है और महिलाओं के प्रति सहानुभूति और सम्मान को बढ़ावा देती है।

इसके अतिरिक्त, अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश कार्यस्थलों पर लंबे समय से चले आ रहे उस मौन को भी तोड़ने का प्रयास है, जिसमें मासिक धर्म को छिपाने या शर्म की चीज माना जाता था। जब संस्थान औपचारिक रूप से इस विषय को स्वीकार करते हैं, तब यह सामाजिक स्तर पर भी एक सकारात्मक संदेश देता है कि मासिक धर्म कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इससे महिलाओं को अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने का साहस मिलता है और कार्यस्थल का वातावरण अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ऐसी नीतियाँ कार्यस्थलों पर उत्पादकता को भी अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा सकती हैं। जब कर्मचारियों को आवश्यकता के समय आराम मिलता है, तो वे स्वस्थ होकर बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। यदि किसी महिला को मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक दर्द या असुविधा है और फिर भी उसे काम करना पड़ता है, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में अल्पकालिक अवकाश उसे शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित करने में सहायक हो सकता है। इस प्रकार, स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील नीतियाँ दीर्घकालिक दृष्टि से संस्थानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

हालाँकि, इस नीति के पक्ष में प्रस्तुत इन तर्कों के साथ-साथ इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों को भी गंभीरता से समझना आवश्यक है। कई आलोचकों का मानना है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा दे सकती हैं। यदि किसी संस्थान को यह लगता है कि महिला कर्मचारियों को हर महीने अतिरिक्त अवकाश देना पड़ेगा, तो वह भर्ती के समय पुरुष उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे सकता है। विशेष रूप से निजी क्षेत्र में, जहाँ उत्पादकता और समय-प्रबंधन को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, वहाँ नियोक्ता महिलाओं को 'अतिरिक्त दायित्व' के रूप में देखने लग सकते हैं।

इस दृष्टिकोण से यह भी कहा जाता है कि अनिवार्य अवकाश की नीति महिलाओं को 'कम सक्षम' या 'कम विश्वसनीय' कर्मचारी के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह धारणा बन सकती है कि महिलाएँ हर महीने कुछ दिनों तक कार्य के लिए अनुपलब्ध रहेंगी, जिससे उनके प्रति नियोक्ताओं का दृष्टिकोण नकारात्मक हो सकता है। परिणामस्वरूप, महिलाओं को उच्च पदों, नेतृत्व की भूमिकाओं या महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अवसर कम मिल सकते हैं। इस प्रकार, जो नीति महिलाओं के हित में बनाई जाती है, वही अनजाने में उनके पेशेवर विकास के रास्ते में बाधा बन सकती है।

एक और महत्वपूर्ण आलोचना यह है कि सभी महिलाओं का मासिक धर्म अनुभव समान नहीं होता। कुछ महिलाओं को इस दौरान अत्यधिक पीड़ा होती है, जबकि कई महिलाएँ सामान्य रूप से अपने कार्य कर सकती हैं। यदि अवकाश अनिवार्य बना दिया जाए, तो यह उन महिलाओं के लिए भी लागू होगा जिन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। इससे यह संदेश जा सकता है कि मासिक धर्म के दौरान हर महिला कार्य करने में असमर्थ होती है, जो वास्तविकता से मेल नहीं खाता। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि 'अनिवार्य' शब्द स्वयं में समस्या पैदा कर सकता है।

इसके अलावा, यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि कार्यस्थलों पर केवल महिलाओं के लिए विशेष अवकाश की व्यवस्था की जाती है, तो यह समानता के सिद्धांत के साथ विरोधाभास पैदा कर सकती है। लैंगिक समानता का मूल विचार यह है कि सभी कर्मचारियों को समान अवसर और समान सम्मान मिले। यदि किसी एक समूह को विशेषाधिकार दिए जाते हैं, तो दूसरे समूह में असंतोष या असमानता की भावना उत्पन्न हो सकती है। हालांकि यह तर्क पूरी तरह से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि समानता का अर्थ हमेशा 'समान व्यवहार' नहीं बल्कि 'न्यायसंगत व्यवहार' भी होता है, फिर भी इस दृष्टिकोण को नीति निर्माण में ध्यान में रखना आवश्यक है।

कई देशों के अनुभव भी इस बहस को जटिल बनाते हैं। कुछ स्थानों पर मासिक धर्म अवकाश की नीति लागू होने के बावजूद महिलाओं ने इसका उपयोग कम किया है, क्योंकि उन्हें डर होता है कि इससे उनके प्रति नकारात्मक धारणा बन सकती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल नीति बनाना पर्याप्त नहीं है; कार्यस्थल की संस्कृति और मानसिकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि संस्थान का वातावरण संवेदनशील और सहयोगी नहीं है, तो कर्मचारी उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने में संकोच कर सकते हैं।

इस संदर्भ में कुछ विशेषज्ञ 'अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश' के बजाय 'लचीली और वैकल्पिक नीति' का समर्थन करते हैं। उनका मानना है कि कर्मचारियों को यह स्वतंत्रता दी जानी चाहिए कि वे अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार अवकाश ले सकें। उदाहरण के लिए, सामान्य चिकित्सा अवकाश या लचीले कार्य समय की व्यवस्था ऐसी हो सकती है जिसमें महिला कर्मचारी आवश्यकता पड़ने पर घर से काम कर सकें या कुछ समय के लिए विश्राम ले सकें। इस प्रकार की व्यवस्था व्यक्तिगत जरूरतों का सम्मान करती है और साथ ही अनिवार्यता से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को भी कम कर सकती है।

इसके साथ ही, कार्यस्थलों पर मासिक धर्म से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वच्छ शौचालय, सैनिटरी उत्पादों की उपलब्धता, और संवेदनशील कार्य वातावरण महिलाओं के लिए अत्यधिक सहायक हो सकते हैं। कई बार अवकाश से अधिक महत्वपूर्ण यह होता है कि कार्यस्थल ऐसा हो जहाँ महिलाएँ बिना झिझक अपनी आवश्यकताओं के बारे में बात कर सकें और उन्हें आवश्यक सहयोग मिल सके।

वास्तव में, इस पूरी बहस का मूल प्रश्न यह है कि समानता का अर्थ क्या है। क्या समानता का अर्थ यह है कि सभी कर्मचारियों के साथ बिल्कुल समान व्यवहार किया जाए, या फिर यह कि उनकी भिन्न आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें न्यायसंगत सुविधाएँ दी जाएँ? आधुनिक नारीवादी दृष्टिकोण यह मानता है कि वास्तविक समानता तभी संभव है जब जैविक और सामाजिक अंतर को ध्यान में रखते हुए नीतियाँ बनाई जाएँ। इस दृष्टि से मासिक धर्म अवकाश का विचार पूरी तरह से अनुचित नहीं है। लेकिन इसे इस प्रकार लागू करना आवश्यक है कि यह महिलाओं को कमजोर या कम सक्षम साबित करने के बजाय उनकी गरिमा और अधिकारों को मजबूत करे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा प्रस्तुत करती हैं। एक ओर वे महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और संवेदनशीलता को मान्यता देती हैं, वहीं दूसरी ओर वे अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देने का जोखिम भी पैदा कर सकती हैं। इसलिए नीति निर्माण में संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। अनिवार्यता के बजाय लचीली नीतियाँ, जागरूकता, और संवेदनशील कार्यस्थल संस्कृति इस दिशा में अधिक प्रभावी समाधान हो सकते हैं।

समाज और संस्थानों को यह समझना होगा कि मासिक धर्म कोई बाधा नहीं बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। यदि कार्यस्थल ऐसी नीतियाँ विकसित करें जो महिलाओं के स्वास्थ्य का सम्मान करें और साथ ही उनकी पेशेवर क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें, तभी वास्तविक लैंगिक समानता की दिशा में सार्थक कदम उठाया जा सकेगा।

(लेखिका, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

अमरोहा
शनिवार 21 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

हसनपुर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती की तैयारियाँ तेज

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की आगामी जयंती को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए डॉ. भीमराव अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति, हसनपुर ने अपनी कमर कस ली है। शुक्रवार को समिति की एक बैठक कार्यकारी अध्यक्ष लता सागर के कोट खेवान स्थित प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई। बैठक में जयंती समारोह की रूपरेखा तैयार की गई और विभिन्न समितियों का गठन कर पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

बैठक को संबोधित करते हुए कार्यक्रम संयोजक एवं अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने घोषणा की है कि इस वर्ष अम्बेडकर जयंती का आयोजन अभूतपूर्व होगा। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह निकलने वाली शोभायात्रा इस बार

विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी, जिसमें बाहरी राज्यों और शहरों से आए कलाकारों द्वारा बाबा साहब के जीवन और सामाजिक क्रांति पर आधारित प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। रामवीर सिंह ने जोर देकर कहा कि आयोजन का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को बाबा साहब के विचारों से जोड़ना है। समिति इस वर्ष समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्राइड ऑफ हसनपुर' पुरस्कार के नाम से प्रतिभाओं का सम्मान करने की तैयारी कर रही है। कार्यकारी अध्यक्ष लता सागर ने कहा कि अबकी बार बड़ी तादाद में महिलाएं अम्बेडकर जयंती में प्रतिभाग करेंगी। बताया कि जनपद भर में शिक्षा, खेल, कला और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को को 'प्राइड ऑफ हसनपुर' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को भी मंच प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक एवं सुखदेवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य महीपाल सिंह ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समिति का मुख्य लक्ष्य छात्र-छात्राओं में बौद्धिक चेतना जगाना है। इसके लिए हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए एक 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले 10 विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।इतना ही नहीं, महीपाल सिंह ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समिति के बैनर तले समाज के निर्धन और होनहार छात्र-छात्राओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जाएगी। इसके लिए समिति के सदस्य गांव-गांव जाकर प्रचार करेंगे ताकि अंतिम छोर पर बैठे विद्यार्थी को भी इसका लाभ मिल सके। जयंती के अध्यक्ष दिनेश गौतम ने बताया कि कार्यक्रम की भव्यता के लिए पदाधिकारी और कार्यकर्ता मोहल्ले-मोहल्ले जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हसनपुर के इतिहास में पहली बार मुख्य मंच पर प्रखर वक्ताओं और शिक्षाविदों का जमावड़ा रहेगा, जो बाबा साहब के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के नारे को चरितार्थ करेंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक विनोद कुमार गौतम, महामंत्री जगवीर सिंह मौर्य, अम्बेडकर उद्धान समिति के अध्यक्ष विजय कुमार गौतम,वरिष्ठ उपाध्यक्ष रोहताश सिंह, उपाध्यक्ष अरविंद कुमार अन्ना, चमनलाल प्रबन्धक, मुकेश जाटव, लवी सागर,सोम सिंह,राजीव कुमार,अमित हाली, शिवम जाटव, अनिल कुमार,अंकुर सेठी,आशेराम,प्रीतम मौर्य ,नन्द किशोर आदि मौजूद रहे।

त्योहारों के पहले पुलिस ने किया फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- ईद-उल-फितर और रामनवमी को लेकर जनपद में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को हसनपुर, सैदनंगली, सिहाली जहांगीर व थाना आदमपुर क्षेत्र के ग्राम ढबारसी में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज त्यागी ने RAF, PAC और थाना बल के साथ हसनपुर, सैदनंगली, सिहाली जहांगीर व ढबारसी कस्बे के प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील

की।

प्रशासन ने बताया कि जनपद के संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन कैमरों से निरंतर निगरानी की जा रही है। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। फ्लैग मार्च में 8 RAF/CRPF जवान (असिस्टेंट कमांडेंट सत्यवीर सिंह के नेतृत्व में), थाना पुलिस बल के सदस्य मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

धनौरा में रिमझिम बारिश के बीच सकुशल संपन्न हुई अलविदा जुमे की नमाज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा में अलविदा जुमे की नमाज रिमझिम बारिश के बीच सकुशल संपन्न हुई ,रमजान माह का अंतिम शुक्रवार यानी अलविदा जुम्मा मनाया गया ।शुक्रवार को सुबह से हो रही रिमझिम बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में नमाजी मस्जिदों में नमाज पढ़ने के लिए पहुंचे, नगर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद सहित अन्य इबादतगाहों में देश की खुशहाली और अमन चैन के लिए दुआएं मांगी गई।

बता दें कि शुक्रवार की सुबह से ही हो रही रिमझिम बारिश के कारण जामा मस्जिद के मुख्य हाल में नमाजियों के लिए जगह कम पड़ गई।

नमाजियों की भारी भीड़ को देखते हुए लोगों ने मस्जिद के सहन और छतों पर भी नमाज अदा की। नगर

की ऐतिहासिक जामा मस्जिद के साथ-साथ एक मीनार मस्जिद, स्टेशन रोड स्थित मदीना मस्जिद, तहसील वाली मस्जिद और कमल शाह पीर वाली मस्जिद में भी नमाजियों का भारी हुजूम देखने को मिला, इसके अलावा सुनहरी मस्जिद, चौकी वाली मस्जिद फैज-ए-आम, कब्रिस्तान वाली मस्जिद और सुभाष नगर स्थित तेलियोवाली मस्जिद में भी नमाज अदा की गई। नमाज के बाद देश में भाईचारे ,तरक्की एवं शांति के लिए विशेष दुआएं मांगी गई ।सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टिगत चौकी प्रभारी नीरज कुमार के नेतृत्व में स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा।

इस मौके पर इरफान मंसूरी, निसार फारूकी, फिरोज मंसूरी, कलवा सैफी ठेकेदार, ताज अहमद, डॉक्टर नवाब सैफी, डॉक्टर इस्माइल सैफी, डॉक्टर शौकत अली, आसिफ रायनी, फहीम अंसारी, मेहताब मंसूरी, अफजाल सभासद सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

धनौरा में ओवररेट बिक रही शराब मामले में लाइसेंस शर्तों के उल्लंघन मे मुकदमा दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में शराब की दुकानों पर ओवररेटिंग की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसी क्रम में, आबकारी विभाग ने धनौरा की सब्जी मंडी स्थित एक देशी शराब की दुकान पर बड़ी कार्रवाई की है। निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर शराब बेचने की पुष्टि होने के बाद, दुकान के अनुज्ञापी (लाइसेंस धारक) के खिलाफ धोखाधड़ी और आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

बता दें कि आबकारी आयुक्त कार्यालय को धनौरा क्षेत्र में ओवररेटिंग को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों

पर संज्ञान लेते हुए, शासन द्वारा गठित एक टीम ने 30 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 12:32 बजे सब्जी मंडी स्थित दुकान पर गोपनीय 'टेस्ट परचेजिंग' (नकली ग्राहक भेजकर खरीददारी) कराई। इस दौरान, 75 रुपये का देशी शराब का टेट्रा पैक 85 रुपये में बेचा गया, जिससे ओवररेटिंग की पुष्टि हुई।आबकारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह (क्षेत्र-2 धनौरा) द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, दुकान संख्या क्रू-18738 के अनुज्ञापी अजीत कुमार सिंह, निवासी कराहाट उर्फ रामहट, कैलसा, जिला अमरोहा ने लाइसेंस के नियमों का उल्लंघन किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्राहकों से प्रिंट रेट से 10 रुपये अधिक वसूलना सीधे तौर पर जनता के साथ धोखाधड़ी है।थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने बताया कि आबकारी निरीक्षक की तहरीर पर अनुज्ञापी के विरुद्ध उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम, और भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया है। विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य शराब संचालकों में हड़कंप मच गया है।

सखी वन स्टॉप सेन्टर के कार्मिको ने बेटी को माता-पिता से मिलाया, परिजनों ने जताया आभार

अमरोहा (सब का सपना):- रेलवे सुरक्षा बल, थाना गजरौला द्वारा सखी वन स्टॉप सेन्टर, अमरोहा को सूचना दिया गया कि एक महिला जो अपना नाम लवली और पति का नाम अनिल बता रही है लावारिस रूप में पायी गई है। सखी स्टॉप सेन्टर की ममता दुबे, केन्द्र प्रबन्धक और नरेन्द्र पाल द्वारा महिला का रेस्क्यू कर वन स्टॉप सेन्टर पर आवासित कराया गया। पुछताछ पर महिला लवली द्वारा बताया गया कि दिल्ली में घूमने के लिए अपने पति के साथ कोटद्वार से बैठकर चली थी। लेकिन नजीराबाद स्टेशन पर पानी लेने उतरे पति की गाडी छूट गई और सम्पर्क नही हो पाया। मोबाईल न0 पूछने पर याद नही बताया गया। महिला से और जानकारी लेने पर महिला द्वारा बताया गया कि 3 नम्बर स्कूल के पास कोटद्वार बिजनौर बताया और बताया गया कि नरगिस नाम की महिला के मकान मे रह रही है। उक्त के क्रम में कोटद्वार कोतवाली से सम्पर्क किया गया। प्रभारी कोटद्वार कोतवाली द्वारा पति का आधार कार्ड में पति का पता काचुनाला, पदमपुर, किशनगंज, जनपद बिहार एवं पति का मो. नंबर बताया गया। मो. नंबर पर सम्पर्क किया गया और सखी वन

स्टॉप सेन्टर, अमरोहा पर आने को कहा गया। पति अनिल द्वारा कहा गया कि वह आने के लिए पैसे की व्यवस्था कर वह सुबह अमरोहा आ जायेगा। इसके बाद से सखी वन स्टॉप सेन्टर, अमरोहा द्वारा लगातार सम्पर्क किये जाने पर पति अनिल का मोबाईल न. स्वीच ऑफ जा रहा है। महिला लवली से मायके पता और पिता- माता नाम पूछने पर महिला द्वारा नही बताया गया। कोतवाली किशनगंज, जनपद बिहार में सम्पर्क किया गया और उनके द्वारा चौकी के प्रभारी का न. दिया गया। उनके द्वारा कहा गया कि दिये पता पर पता लगाया गया परन्तु वहॉ पर कोई भी व्यक्ति नही पाया गया। इसकें बावजूद वन स्टॉप सेन्टर, की टीम एवं केन्द्र प्रबन्धक द्वारा लगातार प्रयास करती रही। पीड़िता लवली द्वारा ज्यादा पूछताछ करने पर पीड़िता द्वारा सही पता नही बताया जा रहा था। पीड़िता से काफी बार प्यार से और डॉट कर पूछा गया। ज्यादा पूछताछ पर पीड़िता द्वारा बताया गया कि वह राज्य बिहार, जनपद सारण की है। पिताका नाम किशन, भाई का नाम तैमुर, है और गॉव नाम सुवई जयहींगरा और कहा कि पिता और माता का देहात हो गया है। परिवार में केवल भाई और भाभी है। जिसके बाद केन्द्र प्रबन्धक, जनपद सारण, बिहार से सम्पर्क किया। केन्द्र प्रबन्धक, जनपद सारण, बिहार द्वारा काफी सहयोग दिया गया। पीड़िता द्वारा ज्यादा गुमराह किये जाने के कारण पीड़िता के घर का पता लगाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ा। काफी प्रयास के बाद पता चला कि पीड़िता मुस्लिम परिवार की बेटी जिसका असली नाम मनीषा खातून है और पिता का नाम साहेन दीन, माता का नाम कूरैसा खातून है, जो अपने आपको हिन्दु परिवार की बता रही थी।

पीड़िता द्वारा कहा गया कि झूठ इसलिए बोल रही थी वह घर से भागकर आयी थी और गॉव मे मेरी काफी बदनामी हो गई हो गयी एवं पिता मुझे मारेगे। केन्द्र प्रबन्धक, जनपद सारण द्वारा बेटी की फोटो दिखते ही परिवार वालों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और मिलने की खबर सुनते ही तत्काल पिता साहेन दीन ने अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन में बैठकर अमरोहा आ गये। एक पिता बेटी से मिलकर काफी भावुक हो गया। मॉ-बाप की ऑखों में खुशी के ऑसू थम नही रहे थे। बेटी भी माता-पिता को देखकर फूट-फूट कर रोने लगी। पीड़िता लवली उर्फ मनीषा खातून को ममता दुबे,केन्द्र प्रबन्धक के निगरानी में दिनांक 20मार्च को पिता साहेन दीन और माता कूरैसा खातून के साथ सुपुर्द कर दिया गया। माता-पिता द्वारा आभार व्यक्त किया गया कि आपलागों के सहयोग से मेरी बेटी मुझे मिल गयी है।

ब्लॉक प्रमुख ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत फीता काटकर की शुद्ध पेयजल की शुरूआत

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गंगेश्वरी ब्लॉक की ग्राम पंचायत खरपड़ी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए गए कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो गए हैं। योजना के समापन के अवसर पर ग्राम जल अर्पण दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने बताया कि ग्राम पंचायत के सभी घरों में घरेलू जल कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं तथा वर्तमान में 100 प्रतिशत शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि जल का उपयोग केवल पीने एवं भोजन बनाने के लिए ही करें, जिससे जलजनित बीमारियों से बचाव संभव हो सके। कार्यक्रम के दौरान अधिशासी अभियंता एवं सहायक अभियंता द्वारा ब्लॉक प्रमुख जी को जल टंकी के संचालन एवं रखरखाव की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही विद्यालय के बच्चों को स्वच्छ पेयजल के महत्व, जल संरचना तथा दूषित जल से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया।

जनजागरूकता के उद्देश्य से एक रैली/प्रभात फेरी का भी आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जल संरक्षण एवं स्वच्छ जल के महत्व का संदेश दिया। यह आयोजन जल जीवन मिशन की सफलता तथा ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी का प्रतीक है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में सतत एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी के नेतृत्व में जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता चंद्रहास, सहायक अभियंता शाहरोज आरिफ तथा कनिष्ठ अभियंता हैदर अली उपस्थित रहे। इसके साथ ही कार्यदायी संस्था पीएनसी-एसपीएमएल जेवी, मुरादाबाद के प्रोजेक्ट मैनेजर सर्वेश राय, ग्राम प्रधान विजय कुमार, प्रमोद गिरी, सुमित कुमार, हेम सिंह, पहलाद सिंह, बंटी पाल, लाखन सिंह, निशांत, अंशु, ताराचंद, सुनील कुमार व ग्रामवासी मौजूद रहे।

ग्रामोद्योग विभाग द्वारा नगर पंचायत, नौगांवा में 24 तारीख को लगेगा तहसील स्तरीय जागरूकता शिविर

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से रोजगार सृजन हेतु संचालित योजनाओं एवं क्रिया कलापों तथा कार्यरत उद्यमियों को उत्पाद विकास, गुणवत्ता एवं आधुनिक तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अमरोहा द्वारा तहसील नौगांवा सादात के अन्तर्गत 24 मार्च को विपणन विकास सहायता (एस.सी.एस.पी.) योजनान्तर्गत नगर पंचायत, नौगांवा सादात में दिन में समय 12:00 बजे से तहसील स्तरीय जागरूकता शिविर कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जागरूकता कार्यक्रम में नवयुवक/नवयुवतियों को विभाग

द्वारा संचालित योजनाओं मुख्यमन्त्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, प्रशिक्षण व माटीकला उद्योग आदि से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी के साथ-साथ आवेदन करने हेतु आवश्यक प्रपत्रों, पंजीकरण / प्रमाण पत्रों प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने एवं विपणन सम्बन्धी जानकारी प्रदान करायी जायेगी।यह जागरूकता कार्यक्रम उ०प्र० खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से भविष्य में रोजगार स्थापित करने के इच्छुक बेरोजगार नवयुवक / नवयुवतियों के लिये अत्यन्त लाभदायक होंगे, अतः उन्हे कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु आमन्त्रित किया जाता

प्रकृति आपदा से बर्बाद फसलों से किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से मिलेगा लाभ

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के उपनिदेशक कृषि डॉ0 रामप्रवेश ने जानकारी देते हुए कहा कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित स्वी 2025-2026 मौसम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गवित मौसम आधारित फसल बीमा कराने हेतु योजना में अधिसूचित क्षेत्र (ग्राम पंचायत) में अधिसूचित फसलों को प्राकृतिक आपदाओं व रोके न जा सकने वाले अन्य जोखिमों यथा रोगों, कीटो से फसल नष्ट होने की निम्न परिस्थितियों में कृषकों, जिनके द्वारा अधिसूचित फसल का बीमा कराया गया है, को बीमा कवर के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी। गत तीन दिनों से हो रही वर्षा के कारण यदि बीमित फसलों में गेंहूँ, सरसों एवं आलू से सम्बन्धित शिकायत दर्ज कराने हेतु नीचे दिये गये नम्बरो पर संपर्क करें- (टोल फी) 14447, सम्बधित्त बैंक शाखा, इंश्योरेंस

कंपनीः रिशुकुमार, जिला प्रभारी इफको टोकियो- 9576384506, बन्टी सिंह, तहसील प्रभारी अमरोहा इफको टोकियो- 6396097610, रिंकू सैनी, तहसील प्रभारी नौगावों सादात इफको टोकियो- 7830989535, टिंकू सिंह, तहसील प्रभारी हसनपुर इफको टोकियो- 8476091487, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, तहसील प्रभारी धनौरा इफको टोकियो- 8077443817, राजकीय कृषि बीज भन्डार, कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी, कार्यालय उप कृषि निदेशक, अमरोहा एवं जिला कृषि अधिकारी, अमरोहा के यहाँ अपनी शिकायत दर्ज करायें।

प्रतिकूल मौसमीय स्थितियों के कारण ग्राम पंचायत में 75 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रफल पर फसल की बुवाई न कर पाने/असफल बुवाई की स्थिति, खड़ी फसलों को प्राकृतिक आपदाओं यथा-सूखा अथवा शुष्क स्थिति, बाढ़, ओला, भूस्खलन, तुफान, चक्रवात, जलभराव, आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग एवं रोके न जा सकने वाले अन्य जोखिमों रोगो, कीटो से क्षति की स्थिति और फसल की बुवाई से एक माह बाद से फसल कटाई के 15 दिन पूर्व तक प्रतिकूल मौसमीय स्थितियों के कारण साल की संभावित उपज में 50 प्रतिशत से अधिक की क्षति की स्थिति में सहायता।

खड़ी फसलों को ओलावृष्टि, जलभराव (धान की फसल को छोडकर), भूस्खलन, बादल फटना, आकाशीय बिजली से उत्पन्न आग से क्षति की स्थिति और फसल कटाई के उपरान्त आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाई हेतु रखी फसल को ओलावृष्टि, चकवात, चक्रवाती वर्षा एवं बेमौसम वर्षा से क्षति की स्थिति देखकर ही लाभ मिलेगा।

व्यापार मंडल ने माध्यमिक शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपकर एम्स स्थापना की उठाई मांग

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत को लेकर चन्दौसी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना की मांग तेज होती जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल की युवा इकाई ने नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय ह्यअन्नूह्ल के नेतृत्व में प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की बड़ी आबादी को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दिल्ली या अन्य दूरस्थ शहरों का रुख करना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की भारी हानि होती है। यदि चन्दौसी (सम्भल) में एम्स की स्थापना होती है, तो स्थानीय स्तर पर ही आधुनिक और उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय ह्यअन्नूह्ल ने कहा कि चन्दौसी भौगोलिक दृष्टि से उपयुक्त स्थान है और यहां बेहतर सड़क व रेल संपर्क उपलब्ध है, जो एम्स स्थापना के लिए इसे एक आदर्श केंद्र बनाता है। नगर महामंत्री शुभम

अग्रवाल ने इसे करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि वर्तमान में मरीजों को बड़े शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता है, जिससे कई बार समय, पैसा और जीवन तक का नुकसान उठाना पड़ता है।
प्रतिनिधिमंडल ने सरकार से इस जनहितकारी मांग पर प्राथमिकता के आधार पर निर्णय लेने की अपील की।
वहीं मंत्री गुलाब देवी ने ज्ञापन प्राप्त कर आश्वस्त किया कि इस मांग को सरकार के समक्ष प्रमुखता से रखा जाएगा और सकारात्मक पहल का प्रयास किया जाएगा।
इस दौरान प्रभात कृष्णा, शुभम अग्रवाल, मंगतेश वार्ष्णेय, निशांत शर्मा, तुषार वार्ष्णेय, रितिक वार्ष्णेय, गर्वित वार्ष्णेय, मयंक वार्ष्णेय सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक मौजूद रहे।

बहजोई पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना बहजोई पुलिस ने अवैध हथियार रखने और परिवार को धमकाने के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक अदद देशी बन्दूक 315 बोर बरामद की है।
पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान नवाबजान पुत्र फकीरी के रूप में हुई है। उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।
बताया गया कि अभियुक्त ने अपनी सौतेली पुत्री शीरीन (पुत्री शाहिद खान), निवासी ग्राम मिजार्पुर, थाना बहजोई, जनपद सम्भल के परिवार के साथ विवाद किया था। इस दौरान उसने शीरीन की माँ निशा के साथ झगड़ा करते हुए अवैध देशी बन्दूक से डराने और धमकाने का प्रयास किया। इस मामले में थाना बहजोई में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 315 बोर की देशी बन्दूक बरामद की। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन, स्कूल का नाम रोशन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- युवा कल्याण विभाग द्वारा मेरठ के विद्या यूनिवर्सिटी कैंपस, बागपत रोड में 18 व 19 मार्च को आयोजित राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में बहजोई के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जनपद का नाम प्रदेश भर में रोशन किया।
प्रतियोगिता में बरेली मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाया। विद्यालय की खिलाड़ी आराध्या सिंह ने 28 किलोग्राम भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं नव्या गर्ग ने 40 किलोग्राम भार

वर्ग में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।
इसके अलावा अन्य संस्थानों के खिलाड़ियों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज की चंचल ने 63 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि एसएम डिग्री कॉलेज के आदित्य शर्मा ने 73 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक हासिल किया।
कोच एकांश गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता में बहजोई के चार खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें अधिकांश खिलाड़ी सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि ये खिलाड़ी एसबीएम जूडो अकादमी में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिससे उनके प्रदर्शन में लगातार सुधार हो रहा है। इस उपलब्धि पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। स्कूल प्रबंधन व स्टाफ ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नौ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को सम्मान, योजनाओं का मिला लाभ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- प्रदेश सरकार के नव निर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इस्लामनगर रोड स्थित डी.आर. रिसोर्ट बहजोई में आयोजित नौ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को निपुण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथियों द्वारा श्याम सुन्दर (ग्राम भरतरा), कृष्णपाल सिंह (ग्राम चौपा), हरिबाबू सिंह (ग्राम सिंहपुर), अतरपाल सिंह (ग्राम रफीपुर, शोभापुर) तथा कपिल वार्ष्णेय (निवासी बहजोई) को कृषि क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही

फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत 30 लाख रुपये की लागत से स्थापित किए जाने वाले कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए ई-लॉटरी के माध्यम से चयनित कृषक देवपाल (ग्राम रूस्तमपुर पीपलवाड़ा, विकासखंड गुन्नौर) को राज्य मंत्री द्वारा ट्रैक्टर की चाबी सौंपी गई।
बताया गया कि लाभार्थी कृषक ने एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड योजना के तहत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बबराला शाखा से ऋण स्वीकृत कराया है।
इसके अंतर्गत ट्रैक्टर के साथ सुपर सीडर, राउंड बेलर, हाइड्रोलिक रिवर्स एमबी प्लाऊ, जीरो टिल ड्रिल, स्ट्रा रेक और रीपर कम बाइंडर जैसे आधुनिक कृषि यंत्र खरीदे गए हैं। परियोजना के तहत 24 लाख रुपये (80 प्रतिशत) की अनुदान राशि संबंधित बैंक के माध्यम से डीबीटी द्वारा जल्द ही लाभार्थी के खाते में स्थानांतरित की जाएगी।
कार्यक्रम में अधिकारियों ने किसानों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाने पर जोर दिया।

जनगणना 2027 बहजोई में फील्ड ट्रेनरों के प्रथम बैच का प्रशिक्षण संपन्न

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए फील्ड ट्रेनरों के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को बहजोई स्थित भगत इंटरनेशनल स्कूल में सम्पन्न हुआ। जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) प्रदीप वर्मा ने बताया कि मास्टर ट्रेनरों द्वारा 17 से 19 मार्च तक कुल 39 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया। वहीं दूसरे बैच के 35 फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण 23, 24 व 25 मार्च को नगर पालिका सभागार, सम्भल में आयोजित किया जाएगा। इस प्रकार कुल 74 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड ट्रेनरों को मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही जनगणना के उद्देश्य, कानूनी प्रावधानों और सैद्धांतिक नियमों पर भी प्रकाश डाला गया।
मास्टर ट्रेनरों ने प्रतिभागियों को मोबाइल ऐप और डिजिटल पोर्टल के माध्यम से डेटा फीडिंग की तकनीकी जानकारी दी। इसके अलावा फील्ड वर्क का अभ्यास, मॉक एक्सरसाइज और शंका समाधान सत्र भी आयोजित किया गया। बताया गया कि प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। जनगणना का कार्य दो चरणों में किया जाएगा।
प्रथम चरण 22 मई से 20 जून तक मकान सूचीकरण एवं गणना का होगा, जबकि द्वितीय चरण 09 फरवरी 2027 से 28 फरवरी 2027 तक सम्पन्न कराया जाएगा। इस मौके पर जिला प्रभारी अनिल कुमार मौर्य, मास्टर ट्रेनर बन्टी दिवाकर एवं रोहित कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नवरात्र व नववर्ष पर सजी रोशनी, डेकोरेटिव पोल लाइटों का हुआ उद्घाटन

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- प्रथम नवरात्र एवं सनातन नववर्ष के अवसर पर नगर क्षेत्र चंदौसी की सड़कों को आकर्षक रोशनी से सजाने के लिए गुरुवार को कैथल गेट पुलिया से रामबाग रोड तक डेकोरेटिव पोल लाइटों का उद्घाटन किया गया।
नगर की प्रमुख सड़क पर लगाई गई इन डेकोरेटिव लाइटों से क्षेत्र की सुंदरता बढ़ने के साथ-साथ रात्रि के समय राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को बेहतर प्रकाश व्यवस्था का लाभ मिलेगा। कैथल गेट पुलिया से रामबाग रोड तक अब रोशनी की

बेहतर व्यवस्था होने से लोगों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी।
इस दौरान सभासद नवकांत शर्मा, सचिन रस्तोगी, किशन प्रजापति, शाबाज खान, निशांत शर्मा, कपिल कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।
कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष एवं उनके प्रतिनिधि द्वारा डेकोरेटिव पोल लगाने वाले ठेकेदार को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे न केवल शहर की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि सुरक्षा और सुविधा भी बेहतर होगी।

महिलाओं व बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं,बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल

का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल,पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

ई-लॉटरी के माध्यम से मदिरा और भांग की दुकान का कराया गया आवंटन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद अमरोहा में ई-नवीनीकरण के पश्चात अवशेष दुकानों की ई-लॉटरी के माध्यम से मदिरा और भांग का आवंटन संपन्न कराया गया उन्होंने कहा कि यह आवंटन की लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है ताकि यह प्रक्रिया पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार रोकने के लिए अपनाई जा रही है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया, सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन-2 मुरादाबाद, जिला आबकारी अधिकारी अमरोहा जितेन्द्र कुमार पाण्डेय एवं जिला आबकारी अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गजरौला क्षेत्र में महिलाओं के बीच मारपीट व पथराव,पांच पर केस दर्ज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव तिगरी धाम में मामूली कहासुनी को लेकर महिलाओं के दो गुटों में जमकर मारपीट हो गई, इसके बाद देखते ही देखते दोनों गुटों के बीच पथराव होने लगा। इस विवाद में सात लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। वहीं इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।
बता दें कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह मामला कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव तिगरी का है जहां के निवासी दो सगे भाई लोकेंद्र और योगेंद्र मंडी से अपने घर लौट रहे थे, रास्ते में गांव के कुछ दबंग लोगों ने उन्हें रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी। यह विवाद देखते ही देखते मारपीट के साथ-साथ पथराव में बदल गया। इस दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि महिलाएं भी इसमें शामिल हो गई। महिलाओं ने एक दूसरे के बाल पकड़कर जमकर मारपीट की। जिसके बाद पथराव भी शुरू हो गया। इस घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने लोकेंद्र की तहरीर के आधार पर अजय, अर्जुन ,हुकम सिंह, गौरव और दीपक के खिलाफ जानलेवा हमला करने सहित विवाद की अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया है कि मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्यवाही शुरू कर दी गई है ।घटना का एक वीडियो भी सामने आया है।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में 28 मरीजों का किया मुख का परीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला संयुक्त चिकित्सालय में ए हैप्पी माउथ इज ए हैप्पी लाइफ थीम पर वर्ल्ड ऑरल हेल्थ डे सेलिब्रेशन किया गया। जिसमें चिकित्सालय में उपस्थित मुख्य की समस्याओं से पीड़ित 28 मरीज के मुख का परीक्षण किया गया तथा ओरल हेल्थ संबंधित जानकारी में उनका प्रतिदिन सुबह वह रात में ब्रूस करने की तकनीकी के बारे में बताया गया एवं यदि उनके मुंह से लगातार छाले होने की शिकायत तथा मुंह खोलने में दिक्कत आ रही है। तो उस नजर अंदाज न करें और तुरंत चिकित्सालय में आकर दंत चिकित्सक से परामर्श लें। साथ ही यह भी बताया कि तंबाकू गुटखा

खैनी और गुल वाले दांत मंजन जिम तंबाकू होता है।
उनका इस्तेमाल बिल्कुल भी ना करें क्योंकि तंबाकू ही मुंह के कैंसर का मुख्य कारण है
रात्रि को सोने से पहले किसी भी मीठी चीज का सेवन न करें और पुरुष एवं ब्रूस एवं कुल्ला करके ही सोए, मरीजों को तंबाकू व धूम्रपान के सेवन से होने वाली हानि के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर ए.के भंडारी, चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर चरन सिंह, दांत शल्क डॉक्टर मनीष सिंह एवं डॉ सुजाता सिंह व नेत्र सर्जन डॉक्टर मनीष तिवारी फार्मासिस्ट ओम जंग बहादुर पाल, डेंटल हाइजीनिसिस्ट वरुण उपाध्याय व अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

रिमझिम बारिश और ठंडी हवाओं ने गिरा तापमान, किसानों की बढ़ी चिंता

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पिछले दो दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है जिसके चलते रिमझिम बारिश के साथ चल रही ठंडी हवाओं ने तापमान के पारे में गिरावट दर्ज हुई है जिसने लोगों को फिर से गर्म कपड़े पहनने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि इससे पहले पड़ रही गर्मी से लोगों को राहत मिली है लेकिन किसानों के लिए यह बारिश चिंता का विषय बन रही है
बता दें की जनपद भर में लगातार दो दिन से हो रही हल्की-हल्की बूंदाबांदी लगातार जारी है ,खासकर शुक्रवार की सुबह से यह बूंदाबांदी तेज हो गई थी, आसमान में काले बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं भी लगातार चलती रहीं जिससे दिनभर मौसम ठंडा बना रहा ।मौसम विभाग के अनुसार अगले दिन भी ऐसा ही मौसम होने की संभावना है। इस बे मौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी है, खेतों में खड़ी गेहूं की फसलों को बारिश से नुकसान होने की आशंका है जिससे उनकी मेहनत पर पानी भी फिर सकता है। किसान अपनी फसलों को लेकर बेहद चिंतित दिखाई दे रहे हैं। ठंड और बूंदाबांदी के कारण नेशनल हाईवे 9 पर दिन के समय वाहनों को लाइट जलाकर धीमी गति से गुजरते देखा गया है, कम विजिबिलिटी और सड़क पर फिसलन के कारण चालकों को सावधानी बरतनी पड़ी। मौसम ठंडा होने के कारण लोगों ने एक बार फिर से गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं ,ठंडी हवाओं के चलते लोगों को ठंड का एहसास हो रहा है जिससे जन-जीवन भी प्रभावित हुआ है।

तेज हवा व बारिश से गेहूं की फसल में नुकसान, किसानों की बढ़ी चिंता

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के मंडावर क्षेत्र में लगातार बिगड़ते मौसम ने किसानों की मेहनत पर पानी फिरता दिखाई दे रहा है। असमय बारिश, तेज आंधी और गेहूं की तैयार खड़ी फसल को भारी नुकसान होता नजर आ रहा है। और आगे भी आशंका है खेतों में खड़ी फसल गिरने से किसानों को भारी नुकसान होता दिखाई दे रहा है वहीं कई जगहों पर बालियां टूटकर नीचे गिर गई है किसानों का कहना है कि इस समय फसल पककर तैयार होने वाली है। लेकिन अचानक मौसम के बदले मिजाज ने उनकी उम्मीदों को

झटका मिलने के आसार है। बारिश के कारण दानों में नमी बढ़ गई है, जिससे गुणवत्ता पर भी असर पड़ने की आशंका है। इसके अलावा, गेहूं में रोगों का खतरा भी बढ़ता दिख रहा है । स्थानीय किसान बताते हैं कि तेज हवा के कारण बड़ी मात्रा में फसल खेतों में ही गिर गई है, साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी बढ़ने की आशंका है।

खिचड़ी खाने से एक ही परिवार के छः लोगों की हालत बिगड़ी

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- खिचड़ी खाने से एक ही परिवार के छ लोगो की हालत बिगड़ गई सभी को जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया। कस्बे के मोहल्ला शाहविलायत निवासी सचिन के घर बुधवार की रात खिचड़ी बनी थीं।घर के सभी लोग जिसमे सुमन पत्नी स्वर्गय जयराम 60 वर्ष,सचिन पुत्र जयराम सचिन की पत्नी चित्रा, भाई नितिन, व बहन नीता व लक्ष्मी खिचड़ी खा कर सौ गए थे।देर रात घर के सभी लोगो की हालत बिगड़नी शरू हो गई। गुरुवार की सुबह सभी का ब्लेंडप्रेसर कम होने पर हालत ओर बिगड़ गई। जिसके बाद सुचना पर सभी को जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। जहां पर परिवार के सभी लोगों का इलाज चल रहा है।

दयालवाला में नि:शुल्क नेत्र जाँच एवं दवा वितरण शिविर आयोजित

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- गांव दयालवाला में स्थित पौधामृत आयुर्वेद सेंटर एवं शास्त्री ट्रेडर्स के सौजन्य से विवेक हॉस्पिटल, बिजनौर द्वारा एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार को आयोजित इस शिविर में विवेक हॉस्पिटल के जनरल फिजिशियन डॉ. अर्चित सहित दीपक राजपूत, संजीव शर्मा, नीरज, लवकुश, अंकित, शालू एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।शिविर में मुख्य रूप से आँखों की जाँच की गई तथा योग्य रोगियों को निःशुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गईं। शिविर मे कुल 154 मरीजों

को देखा गया।इस पहल से स्थानीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिला और नेत्र संबंधी समस्याओं का प्रारंभिक परीक्षण संभव हो सका।यह शिविर स्वास्थ्य जागरूकता एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मुफ्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

ग्राम पंचायत बादशाहपुर के मार्ग हुए बदहाल, गांव में सड़कों पर आये पानी एवं कीचड से बीमारी फैलने की आशंका

मंडावर/बिजनौर(सब का सपना):- ग्राम पंचायत बादशाहपुर की अधिकांश सड़कों की स्थिति वर्तमान में बेहद खराब हो चुकी है। कई जगहों पर सड़कें गड्ढों और गंदे पानी से भरी हुई हैं, जिससे देखने में ऐसा लगता है मानो वे मछली पालने के तालाब बन गए हों।मंडावर से बादशाहपुर जाने वाले राहगीरों को अक्सर इन गड्ढों में भरे पानी के कारण गिरने या फिसलने का खतरा रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़कों पर लगातार जलभराव होने से गंदगी फैल रही है और इससे बीमारियों (जैसे मलेरिया, डेंगू या अन्य जलजनित रोगों) का खतरा

बढ़ गया है।सूत्रों की मानें तो पास ही में लगभग तीन बीघा का एक पुराना तालाब था, जिसे कुछ ग्रामीणों ने मिट्टी डालकर बंद कर लिया और उस जगह पर अपने मकान बना लिए। अब वही लोग या आसपास के कुछ लोग सड़क पर पानी जमा होने दे रहे हैं, जिससे समस्या और बढ़ गई है। शासन-प्रशासन की ओर से इस समस्या पर अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों की कई शिकायतों के बावजूद सड़कों की मरम्मत, जल निकासी की व्यवस्था या सफाई का काम नहीं हो रहा।

यह स्थिति न केवल आवागमन को मुश्किल बना रही है, बल्कि गांववासियों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रही है। स्थानीय प्रशासन से अपेक्षा है कि जल्द से जल्द सड़कों की मरम्मत, गड्ढों को भरने और उचित जल निकासी की व्यवस्था की जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम में विकास का संदेश, मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संकल्प से सिद्धि, सुरक्षा, सुशासन एवं समृद्धि विषय पर आज इंदिरा बाल भवन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं जनपद प्रभारी मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, कपिल देव अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि संकल्प से सिद्धि केवल नारा नहीं, बल्कि सरकार की कार्यशैली और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने जो संकल्प लिए हैं, उन्हें धरातल पर उतारकर आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कानून व्यवस्था को

सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि प्रदेश में सुरक्षा का मजबूत माहौल तैयार किया गया है, जिससे नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। साथ ही पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित सेवाओं को सुशासन की पहचान बताते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं को सरल बनाकर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश का समग्र विकास तभी संभव है जब किसान, युवा, महिला और व्यापारी सभी वर्ग सशक्त बनें। इसी उद्देश्य से रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंत्री ने लाभार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव भी सुने और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के उपरांत मंत्री ने कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में प्रेस वार्ता कर सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी दी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान, एमएलसी अशोक कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

कुट्टू आटा प्रकरण में प्रशासन सख्त, नमूने भरे, 30 किलो आटा सीज

बिजनौर (सब का सपना):- नवरात्रि के दौरान कुट्टू के आटे के सेवन से लोगों के बीमार पड़ने के मामले में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर नमूने संग्रहित किए और बड़ी मात्रा में आटा सीज कर दिया है।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश तथा जिलाधिकारी बिजनौर के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद में मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नजीबाबाद तहसील क्षेत्र में कुट्टू के आटे से बने खाद्य पदार्थों के सेवन से लगभग 10 लोगों के बीमार होने की सूचना पर विभागीय टीम ने 19 मार्च की रात्रि में ही कार्रवाई की।

जांच के दौरान बीमार व्यक्तियों द्वारा बताए गए प्रतिष्ठान नितिन कुमार पुत्र किशन कुमार निवासी मोटा आम, नजीबाबाद पर छापा मारकर कुट्टू, हल्दी पाउडर और मिर्च पाउडर के कुल तीन नमूने रासायनिक परीक्षण हेतु लिए गए। साथ ही मौके पर मौजूद करीब 30 किलोग्राम कुट्टू आटा सीज कर दिया गया और बिक चुके आटे को वापस लेकर नष्ट कराने के निर्देश दिए गए।

चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार अस्पताल में भर्ती सभी 10 मरीज अब स्वस्थ हैं और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। टीम ने मंडावली, राजपुर और नवादा पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर हालचाल भी जाना।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि संबंधित कुट्टू का स्रोत गाजियाबाद स्थित विशाल ट्रेडर्स (ओपी गोल्ड ब्रांड) है, जिस पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा तनेजा किराना स्टोर सहित अन्य प्रतिष्ठानों से भी नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

प्रशासन ने सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि 15 दिनों से अधिक पुराने खुले या पैक्ड कुट्टू आटे का भंडारण एवं बिक्री न की जाए। उल्लंघन पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जनपदवासियों से अपील की गई है कि वे पुराने कुट्टू आटे का सेवन न करें और सतर्कता बरतें। वहीं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कुट्टू का आटा खाने से 10 लोग बीमार, फूड प्वाइजनिंग की आशंका

मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में कुट्टू का आटा खाने से लगभग 10 लोगों की तबीयत अचानक खराब हो गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सभी पीड़ितों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार 19-20 मार्च की रात करीब 12 बजे लोगों को उल्टी और बेचैनी की शिकायत होने लगी। जयप्रकाश (45), रोहित (15), प्रीति (19) सहित कई लोग कुट्टू के आटे से बनी पकौड़ी और पूरी खाने के बाद बीमार हो गए। इन्हें ओम चौधरी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जबकि ग्राम सिकरोड़ा के कुछ अन्य मरीजों को एंबुलेंस से सीएचसी समीपुर, नजीबाबाद भेजा

गया।

पीड़ितों के अनुसार सभी लोगों ने नजीबाबाद के मोटे आम स्थित एक दुकान से कुट्टू का आटा खरीदा था। सूचना पर खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर संबंधित दुकानदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल सभी मरीजों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, दोस्तों पर आरोप

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- कस्बे में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों का आरोप है कि युवक के कुछ दोस्त उसे घर से बुलाकर ले गए थे और बाद में उसे मृत अवस्था में घर पर लाकर छोड़ गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

पश्चिम एशिया में युद्ध से यूपी डिफेंस सेक्टर को मिला बूस्ट, 12 हजार करोड़ का बाजार दोगुना होने के आसार

लखनऊ (एजेंसी) पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक रक्षा जरूरतों में उछाल ने उत्तर प्रदेश के डिफेंस सेक्टर के लिए बड़ा बाजार खोल दिया है। बढ़ते ऑर्डर और निर्यात के चलते प्रदेश का डिफेंस उत्पादन 12 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर जल्द 24 हजार करोड़ तक पहुंच सकता है। गोला-बारूद, आर्टिलरी पार्ट्स, बुलेटप्रूफ जैकेट, सीमित ड्रोन और हेलमेट जैसे उत्पादों की भारी मांग है। एंटी ड्रोन सिस्टम यूपी में बन रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और हालिया पश्चिम एशिया संकट ने दुनिया की रक्षा रणनीति को पूरी तरह बदल दिया है। अब पारंपरिक युद्ध की जगह ड्रोन, स्मार्ट हथियार और एंटी मिसाइल सिस्टम पर फोकस बढ़ गया है। प्रदेश पहले से ही डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा केंद्र रहा है, जहां डीआरडीओ, आर्डिनेंस फैक्ट्रियां और कई निजी कंपनियां सक्रिय हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में एमएसएमई इकाइयां गोला-बारूद, आर्टिलरी पार्ट्स, बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट जैसे

उत्पाद बना रही हैं। वर्तमान में यूपी का डिफेंस उत्पादन 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक है और डिफेंस कॉरिडोर की वजह से इसके दोगुना होने की संभावना है। देखने को मिल रही है। जर्मनी और कनाडा जैसे देशों ने पहले रक्षा खर्च कम कर दिया था, लेकिन अब तेजी से बजट बढ़ाया है। अमेरिका पहले से ही दुनिया का सबसे बड़ा रक्षा खर्च करने वाला देश है, जबकि इस्त्राइल जैसे देश एडवांस एंटी-मिसाइल सिस्टम (जैसे आयरन डोम) पर लगातार निवेश बढ़ा रहे हैं। खास तौर पर ईरान, पश्चिम एशिया, रूस, यूक्रेन से खासी मांग है। कारोबारियों के मुताबिक अब युद्ध 'टेक्नोलॉजिकल वॉर' बन चुका है। ईरान द्वारा कम लागत वाले प्री-प्रोग्राम्ड ड्रोन के इस्तेमाल ने यह साबित कर दिया है कि भविष्य के युद्ध में कम लागत वाले स्मार्ट हथियार निर्णायक हो सकते हैं। इसी ट्रेंड को देखते हुए यूपी की कंपनियां भी तेजी से नई तकनीकों पर काम कर रही हैं। नोएडा स्थित कंपनियां ड्रोन प्रिवेंशन सिस्टम और सिंथेटिक बैरियर जैसे इनोवेशन ला रही हैं, जो मिसाइल और ड्रोन हमलों के प्रभाव को कम करते हैं। सिंथेटिक बैरियर का इस्तेमाल ईरान, इस्त्राइल सहित अन्य देशों में तेजी से बढ़ा है। ये पांच किलो वजनी बोरियां होती हैं, जिन्हें इमारत के ऊपर खाली कमरों में भर दिया जाता है।

अचानक हुई बारिश से बदला मौसम का मिजाज,बढ़ी ठिठुरन

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में शुक्रवार को हुई बारिश के बाद मौसम ने अचानक करवट ले ली है। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया, जिससे एक बार फिर सर्दी का अहसास बढ़ गया है। जहां कुछ दिन पहले तक मौसम सामान्य बना हुआ था, वहीं अब तापमान में गिरावट दर्ज होने से सुबह और शाम के समय ठंड का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है।

बारिश के कारण पूरे जिले में मौसम सुहाना तो हो गया है, लेकिन ठिठुरन बढ़ने से लोग गर्म कपड़ों में नजर

आ रहे हैं और बाजारों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा भीड़ कम दिखाई दी। खासकर सुबह के समय सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला, जबकि शाम ढलते ही ठंडी हवाओं ने लोगों को घरों में रहने पर मजबूर कर दिया।

किसानों के लिए यह बारिश लाभकारी मानी जा रही है, क्योंकि इससे गेहूं व अन्य फसलों को नमी मिली है। हालांकि कुछ किसानों ने अत्यधिक बारिश से फसलों को नुकसान की आशंका भी जताई है। खेतों में पानी भरने से सरसों और आलू की फसल प्रभावित होने की संभावना बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक हल्की ठंड बने रहने की संभावना है। ऐसे में लोगों को बदलते मौसम के बीच सेहत का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है।

रात को खाना खाने ढाबे पर रुका ट्रक चालक, वापस आया तो केबिन में सीट पर बैठा था गुलदार, बाल-बाल बची जान

बिजनौर जनपद में अफजलगढ़ के धामपुर मार्ग स्थित एक ढाबे पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक गुलदार ट्रक के केबिन में घुस गया और चालक पर हमला कर दिया। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए कूदकर अपनी जान बचाई।खुले गेट से केबिन में घुसा गुलदार

जानकारी के अनुसार धामपुर से काशीपुर जा रहा ट्रक चालक सीओ कार्यालय के सामने एक ढाबे पर खाना खाने के लिए रुका था। इस दौरान केबिन का एक दरवाजा खुला रह गया। इसी बीच गुलदार केबिन

में घुस गया और अंदर ही फंस गया।चालक पर किया हमला

जब चालक खाना खाकर वापस लौटा और ट्रक में चढ़ने लगा, तभी गुलदार ने उस पर झपट्टा मार दिया। चालक ने फुर्ती दिखाते हुए खुद को बचाया और शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

जंगल में भागा गुलदार

हंगामा बढ़ता देख गुलदार ट्रक से निकलकर सड़क के डिवाइडर पर छलांग लगाते हुए पास के जंगल में भाग गया। घटना के बाद चालक सुरक्षित अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गया।

क्षेत्र में दहशत का माहौल

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ समय से गुलदार लगातार दिखाई दे रहा है। इस घटना के बाद लोगों में डर और बढ़ गया है और वे रात में बाहर निकलने से भी बच रहे हैं।

वन विभाग से कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

प्रशासन ने दिया आश्वासन

वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए जल्द ही पिंजरा लगाने का आश्वासन दिया है। विभाग द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नवनिर्माण के 9 वर्ष बहजोई बस स्टैंड पर विकास योजनाओं की प्रदर्शनी का उद्घाटन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- नवनिर्माण के 9 वर्ष संकल्प से सिद्धि, सुरक्षा,सुशासन,समृद्ध उत्तर प्रदेश के अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा बहजोई बस स्टैंड पर केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद दोनों अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर इसकी सराहना की। इस दौरान ओमवीर सिंह खड़गवंशी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए, ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक भी इनका लाभ पहुंच सके। वहीं गोरखनाथ भट्ट ने आमजन से अपील की कि अधिक से अधिक लोग प्रदर्शनी का अवलोकन करें और योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाएं। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को चित्रों एवं जानकारी के माध्यम से दर्शाया गया, जिससे लोगों को सरकार की नीतियों और कार्यों की विस्तृत जानकारी मिल सके। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

रंजिश में युवक को चाकू से गोदा, अस्पताल में भर्ती

गुड़गांव, (ब्यूरो): पुरानी रंजिश में एक व्यक्ति को चाकू से गोदने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने ही सेक्टर-14 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल के बयान पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2),118(1),126(2),351,3(5) के तहत केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस को दी शिकायत में मूल रूप से बिहार के रहने वाले अजय कुमार (45) ने बताया कि वह भूतेश्वर मंदिर सोहना चौक के पास फुटपाथ पर रहते हैं। यहां पर आदेश, जीतू व गोलू भी रहते हैं। काफी समय पहले उसका जीतू व गोलू से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इस बात को वह दोनों रंजिश रखे हुए थे। 17 मार्च की रात को जब वह बस स्टैंड के पास मौजूद था तो आदेश भी उसके साथ खड़ा था। इसी दौरान जीतू, गोलू व राजू कालरा ने उसे अपने पास बुलाया इस पर वह उनसे आगे की तरफ चलने लगा। तभी जीतू व गोलू ने उसे रोक लिया और मारपीट करने लगे। इसी दौरान दोनों ने अपने पास मौजूद चाकू निकाले और उस पर कई वार किए। इस वारदात के बाद यह दोनों मौके से भाग गए। आसपास लोगों की भीड़ एकत्र हो गई जिन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत को देखते हुए उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

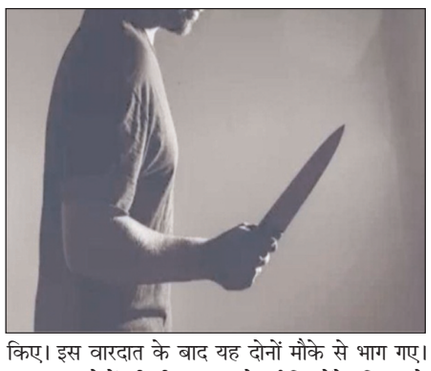

बांग्लादेशी ने दी थी स्कूलों को कम से उड़ाने की धमकी, अहमदाबाद से गुड़गांव पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुड़गांव : डंकी रूट से भारत में आकर देश भर के 300 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में गुड़गांव पुलिस ने एक आरोपी को अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सौरभ विश्वास उर्फ माइकल (उम्र- 30 वर्ष शिक्षा-12वीं) निवासी बांग्लादेश हाल निवासी श्रीपल्ली बाजार, गोविन्दपल्ली जिला उत्तर 24 परगना (पश्चिम-बंगाल) के रूप में हुई है। हालांकि पुलिस को यह भी पता लगा है कि उसका यह नाम फर्जी है जिसके आधार पर उसने पश्चिम बंगाल में ब्रोकर के जरिए दस्तावेज बनवाए हैं। आरोपी की असली पहचान जानने के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस सहित बांग्लादेश सरकार से भी पत्राचार शुरू कर दिया गया है। एसीपी प्रियांशु दिवान ने पत्रकारवार्ता कर बताया कि आरोपी 9 साल पहले जंगल के रास्ते भारत में आया था और एक कंस्ट्रक्शन साइट पर मजदूरी करने लगा था। करीब पांच साल पहले उसने अहमदाबाद पहुंचकर डिजिटल मार्केटिंग का काम सीखा और वर्तमान में वह डिजिटल मार्केटिंग का ही काम कर रहा था। आरोपी ने गुड़गांव के 40 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरी ईमेल भेजने के लिए कोलकाता में साल 2024 में ईमेल क्रिएट की थी और इस ईमेल को 250 डॉलर में ढाका के एक व्यक्ति मामुनूर राशिद को बेच दी थी। इस ईमेल के जरिए भी गुड़गांव ही नहीं बल्कि, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात सहित अन्य राज्यों के 300 से ज्यादा स्कूलों को न केवल बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी बल्कि इन ईमेल में खालिस्तान का समर्थन करने, एसवाईएल के मुद्दे को सुलझाने के लिए मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी को धमकाने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अगला टारगेट करने की बात कही गई थी। एसीपी प्रियांशु दिवान ने बताया कि आरोपी एक व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए ढाका से जुड़ा हुआ था और इस टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए ही वहां उसकी बातचीत हो रही थी। आरोपी को डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक्स इत्यादि की जानकारी है तथा यह पिछले 5 वर्ष से डिजिटल मार्केटिंग में फ्रीलांसिंग का काम करता है। यह एक फेसबुक ग्रुप में जुड़ा हुआ था जहां पर इसका संपर्क मामुनूर राशिद नामक एक बांग्लादेशी व्यक्ति से हुआ। जिसने इससे जीमेल आईडी देने की बात कही। इसके बाद इसने लगभग 300 जीमेल आईडी मामुनूर राशिद को उपलब्ध करवाई। जिसके बदले इसको करीब 250 USDT crypto currency के रूप में मिले थे। उपरोक्त में से ही एक मेल आईडी का प्रयोग इस घटना में स्कूलों में बॉम्ब होने की झूठी ईमेल भेजने में किया गया। आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल बरामद किया गया है जिसमें बने क्रिप्टो करेंसी वॉलेट को भी जांचा जा रहा है। आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

बडोली का कांग्रेस पर बड़ा वार: 'निर्दलीय नांदल के संपर्क में थे 12 कांग्रेसी विधायक, अपनों को ही पैसे बांट रही थी कांग्रेस

सोनीपत : हरियाणा में राज्यसभा की दो सीटों पर हुए चुनाव के नतीजों के बाद प्रदेश की राजनीति में आया भूचाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोनीपत पहुंचे बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने कांग्रेस पर तीखे प्रहार करते हुए एक नया विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने दावा किया कि निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल के संपर्क में कांग्रेस के एक या दो नहीं, बल्कि पूरे 12 विधायक थे। बडोली ने कांग्रेस द्वारा लगाए गए खरीद-फरोख्त के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि बीजेपी ने नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस ने अपने विधायकों को एकजुट रखने के लिए करोड़ों रुपये दिए होंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन विधायकों को पैसे नहीं मिले, उन्होंने क्रॉस वोट कर दिया होगा। यह बीजेपी की बगावत नहीं, बल्कि कांग्रेस का अंदरूनी कलह है। जिन विधायकों ने निर्दलीय को वोट दिया, उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी है। मोहनलाल बडोली ने इंडियन नेशनल लोकदल (INLD) को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि इनेलो ने चुनाव का बहिष्कार करके लोकतंत्र की हत्या की है। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि बीजेपी अपने रद्द हुए वोट को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी और मांग करेगी कि कांग्रेस के एक और विधायक का वोट रद्द किया जाना चाहिए। राज्यसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच बडोली ने आगामी निकाय चुनावों को लेकर भी हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि बीजेपी इन चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है और उन्हें भरोसा है कि जनता एक बार फिर 'कमल' खिलाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीजेपी जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत कर चुकी है।

एल्विश यादव को सुप्रीम कोर्ट से 'क्लीन चिट

सुप्रीम कोर्ट ने सांप के जहर मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से 2023 में वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी और उससे जुड़ी कार्यवाही को वीवार को रद्द कर दिया। यादव को नोएडा में रेव पार्टी में कथित तौर पर सांप के जहर का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। शीर्ष अदालत ने कहा, मामला कानून की दृष्टि से टिक नहीं सकता है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की खंडपीठ ने मादक औषधि व मनोरोगी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 2(23) की प्रयोज्यता और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 55 के तहत कार्यवाही की वैधता का सवाल उठाया। हालांकि, सक्षम प्राधिकारी को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 55 के तहत उचित शिकायत दर्ज करके कानून के अनुसार उचित कार्यवाही शुरू करने की छूट भी दी। यादव के खिलाफ मामला 22 नवंबर, 2023 को दर्ज किया था और उन्हें 17 मार्च, 2024 को गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एफआईआर में आईपीसी के तहत लगाए गए अपराध गुरुग्राम में पहले दर्ज की गई एक एफआईआर पर आधारित हैं जिसमें क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। पीठ ने गौर किया कि यादव के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई है, आरोपपत्र में सिर्फ यह कहा कि उसने अपने दोस्तों के माध्यम से मनोरंजन के उद्देश्य से सांप के जहर का ऑर्डर दिया था जो सह आरोपी हैं।

जरनैल सिंह ने कांग्रेस द्वारा नोटिस जारी करने की बात को नकारा, कहा- मुझे अभी तक कोई Notice नहीं मिला

फतेहाबाद : हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले रतिया के कांग्रेस विधायक सरदार जरनैल सिंह को भी पार्टी ने कारण बताओ नोटिस थमा दिया है। इससे पहले कांग्रेस के चार विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इनवैलिड वोट को लेकर रतिया कांग्रेस के विधायक जरनैल सिंह मीडिया के सामने आए। जरनैल सिंह ने इनवैलिड वोट पर कांग्रेस द्वारा नोटिस जारी होने की बात को नकारा और कहा कि मुझे अभी तक पार्टी की तरफ से कोई नोटिस नहीं मिला, नोटिस आया तो जवाब दूंगा। नोटिस के सवाल पर जरनैल सिंह बोले मैं कांग्रेस का सच्चा सिपाही, मुझे बदनाम किया जा रहा है।

दादूवाल की शिकायत पर झिंडा के खिलाफ एफआईआर दर्ज, धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप

हरियाणा हरियाणा में धार्मिक व सामाजिक विवाद से जुड़ा मामला सामने आया है, जहां दादूवाल की शिकायत पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगदीश सिंह झिंडा के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार दादूवाल ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि जगदीश सिंह झिंडा द्वारा ऐसे कृत्य किए गए हैं जिससे उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है और माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ल्टश्च्च्टउ के अध्यक्ष जगदीश सिंह झिंडा पर हुए हमले के बाद दादूवाल का बयान सामने आया था। बलजीत सिंह दादूवाल का कहना है कि जगदीश सिंह झिंडा ने सिक्योरिटी लेने के चक्कर में इस तरह का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जगदीश सिंह झिंडा ने अपनी गलतियां छुपाने के लिए एक बहुत बड़ा ड्रामा रचा था।

मैटरनिटी सेंटर में कोहराम: ऑपरेशन के बाद तड़प-तड़प कर मरी महिला, कैबिनेट मंत्री और सीएमवो तक पहुँचा मामला

फरीदाबाद : हरियाणा के फरीदाबाद जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की संवेदनहीनता का एक और मामला सामने आया है। बल्लभगढ़ के जगदीश कॉलोनी स्थित 'मिनी खेत्रपाल मैटरनिटी सेंटर' में डिलीवरी के बाद एक 31 वर्षीय महिला, नेहा, की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ पर इलाज में भारी लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कैबिनेट मंत्री और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमवो) को ज्ञापन सौंपा है। परिजनों के अनुसार, नेहा को 17 मार्च की दोपहर नॉर्मल डिलीवरी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रसव में देरी होने पर डॉक्टर ने ऑपरेशन (C-Section) की सलाह दी। ऑपरेशन के बाद नेहा ने एक बच्ची को जन्म दिया, लेकिन बच्ची की हालत नाजुक होने के कारण उसे दूसरे अस्पताल के ठक्ळव में रेफर कर दिया गया। परिजनों का दावा है कि रात के समय अस्पताल में कोई भी सीनियर डॉक्टर मौजूद नहीं था। नेहा को रात में तेज दर्द हुआ,

जिसके बाद वहां मौजूद स्टाफ (जगवती) ने उसे एक इंजेक्शन लगाया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगते ही नेहा के मुँह से झाग आने लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि घटना के करीब आधे घंटे बाद डॉक्टर अस्पताल पहुँचे। बेटी को खोने के बाद न्याय की मांग को लेकर परिजनों ने स्थानीय कैबिनेट मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी अस्पताल अपनी मनमानी कर रहे हैं और मरीजों की जान से खिलवाड़ हो रहा है। परिजनों ने CMO को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी भी तरह का प्रभाव न डाला जाए और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाए। सिविल सर्जन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों की एक जांच कमेटी गठित करने के आदेश दिए हैं।वर्तमान में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बीके अस्पताल (BK Hospital) के शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद और मेडिकल बोर्ड की जांच के आधार पर संबंधित अस्पताल और स्टाफ के खिलाफ कानूनी कार्यवाही (जैसे धारा 304A के तहत मामला) की जाएगी।

हरियाणा में नशा तस्करी का 'फैमिली बिजनेस' तबाह: माँ-बेटा 27 लाख की हेरोइन और गांजे के साथ गिरफ्तार

नरवाना : हरियाणा के जींद जिले के नरवाना से नशे के कारोबार पर प्रहार करती हुई एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सीआईए स्टाफ नरवाना ने नशा तस्करी के एक ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है, जिसमें माँ और बेटा मिलकर नशे का काला कारोबार चला रहे थे। पुलिस ने दोनों को भारी मात्रा में हेरोइन और गांजे के साथ रंगे हाथों काबू किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 27 लाख रुपये आंकी गई है। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईए स्टाफ को गुप्त सूचना मिली थी कि चमेला कॉलोनी निवासी एक महिला और उसका बेटा नशा तस्करी में लिप्त हैं। सूचना के अनुसार, दोनों आरोपी मोहलखेड़ा रेलवे ओवरब्रिज पर नशे की सप्लाई देने के लिए पहुँचने वाले थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने

तुरंत रेड की और घेराबंदी कर बाइक सवार दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

जब उनके बैग की तलाशी ली गई, तो पुलिस के भी होश उड़ गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ ठउद्धर एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारियों का कहना है कि अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये नशा कहाँ से लाया गया था और आगे किन-किन लोगों को सप्लाई किया जाना था। इस मामले में कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

हरियाणा में 'साइलेंट किलर' पर स्ट्राइक: 1 करोड़ लोगों की हुई स्क्रीनिंग...8.62 लाख निकली ये बीमारी

चंडीगढ़: गैर संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम के लिए हरियाणा सरकार की ओर से राज्य के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में 30 साल से ऊपर के लोगों की स्क्रीनिंग की जा रही है। इसमें हाई ब्लड प्रेशर, मधुमेह और कुछ कैंसर की जांच शामिल है। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार 31 जनवरी 2026 तक 1.01 करोड़ लोग स्क्रीनिंग करवा चुके हैं। इनमें से 8 लाख 62 हजार 764 लोगों (लगभग 8.5%) में हाई ब्लड प्रेशर मिला है और उनका इलाज शुरू किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि राज्य सरकार गैर संचारी रोगों जैसे हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग करा सकते हैं। इस स्क्रीनिंग में मधुमेह, उच्च रक्तचाप व मुंह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर जैसी बीमारियां शामिल हैं जिससे समय रहते इनकी पहचान और

उपचार संभव हो सके।

स्वास्थ्य मंत्री राव ने बताया कि राज्य आवश्यक औषधि सूची के अनुसार उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए जरूरी दवाएं जिलों में उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत अंबाला, फरीदाबाद, गुरुग्राम और पंचकूला के जिला नागरिक अस्पतालों में कैथ लैब और कार्डियक सेंटर जैसी सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं स्थापित की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग गैर संचारी रोगों के बढ़ते आंकड़े को कम करने के लिए इनकी रोकथाम पर विशेष ध्यान दे रहा है। लोगों को प्रमुख जोखिम कारकों से बचने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय में बड़ा फेरबदल

फरीदाबाद : हरियाणा सरकार ने फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। सरकार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमित अग्रवाल को यूनिवर्सिटी का प्रशासक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कार्यभार संभाल लिया और अब संस्थान के वित्तीय और प्रशासनिक मामलों की जिम्मेदारी देखेंगे। नये विधेयक के तहत हुई नियुक्ति सरकार के द्वारा यह कार्रवाही दिल्ली ब्लास्ट में यूनिवर्सिटी के कुछ डॉक्टरों के नाम सामने आने के बाद की गई है। सरकार ने साल 2025 विधानसभा में हरियाणा प्राइवेट यूनिवर्सिटीज (संशोधन) विधेयक पास किया था। इसमें पुराने नियमों में बदलाव कर सरकार को निजी विश्वविद्यालयों के प्रबंधन को भंग कर उनके संचालन का अधिग्रहण करने का अधिकार दिया गया है। दिल्ली के लाल किला ब्लास्ट का सुसाइड बॉम्बर डॉक्टर उमर नबी इसी अल-फलाह यूनिवर्सिटी में काम करता था। करीब 15 लोगों की हुई थी मौत10 नवंबर 2025 को लाल किले के पास हुए धमाके में 15 लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद यह मामला सुर्खियों में आया। दिल्ली के लाल किला ब्लास्ट का सुसाइड बॉम्बर डॉक्टर उमर नबी इसी अल-फलाह यूनिवर्सिटी में काम करता था। आतंक के इस नेटवर्क में यूनिवर्सिटी के दूसरे डॉ. मुजम्मिल शकील, डॉ शाहीन सईद जांच एजेंसी एनआईए की गिरफ्त में है। सरकार के द्वारा यह कार्रवाही दिल्ली ब्लास्ट में यूनिवर्सिटी के कुछ डॉक्टरों के नाम सामने आने के बाद की गई है। यूनिवर्सिटी में आंतकी नेटवर्क का खुलासा होने के बाद सरकारी की तरफ से कमेटी जांच करने के लिए कमेटी बनाई गई थी। कअर अधिकारी श्यामल मिश्रा ने यूनिवर्सिटी के मामलों की जांच की थी। उनकी रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने यह कदम उठाया। जांच में यूनिवर्सिटी में कई अनियमितताएं पाई गई थीं। अमित अग्रवाल के द्वारा प्रशासक के तौर पर काम संभालने के बाद कुछ नई नियुक्तियां की है।कई लोगों की नियुक्ति की गई अमित अग्रवाल के द्वारा प्रशासक के तौर पर काम संभालने के बाद कुछ नई नियुक्तियां की है। जिसमें जेसी बोस यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. अजय रंगा को अल-फलाह यूनिवर्सिटी का नया उप कुलपति बनाया गया है, जबकि डॉ. राजीव कुमार सिंह को परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया गया है। इसके अलावा मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी रवि कुमार शर्मा और रजिस्ट्रा डॉ मेहा शर्मा को बनाया गया है। वहीं अभिनव और राजदीप को प्रशासनिक कार्यों को करने की जिम्मेदारी की गई है। सभी की नियुक्ति जेसी बोस यूनिवर्सिटी से की गई है। हालांकि यूनिवर्सिटी की फैकल्टी में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पॉश सेक्टर के घर में लगी आग, 4 को किया रेस्क्यू

गुड़गांव, (ब्यूरो): पॉश सेक्टर-28 के एक घर में आज दोपहर को आग लग गई। आग लगने के कारण चार लोग घर के अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम सहित एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद न केवल आग पर काबू पाया बल्कि चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस घटना में किसी भी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई है।दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सूचना दोपहर करीब 1 बजकर 29 मिनट पर मिली कि सेक्टर-28 के एक घर में आग लग गई है। इस घर में चार लोग फंसे हुए हैं। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इसके साथ ही एसडीआरएफ की टीम को भी मौके पर भेजा गया। टीम ने करीब एक घंटे में आग बुझाते हुए बिल्डिंग के अंदर

फंसे चारों लोगों को रेस्क्यू कर लिया। इस सूचना पर मौके पर स्थानीय थाना पुलिस सहित पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और यहां लगी लोगों की भीड़ को मौके से हटाया।दमकल अधिकारियों ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजकर 40 मिनट तक आग पूरी तरह से बुझ गई और गाड़ियां वापस आ गई। यह आग घर के ग्राउंड फ्लोर पर बने इलेक्ट्रिक पैनल में लगी थी। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण यह घटना हुई है। आग केवल ग्राउंड फ्लोर पर थी, लेकिन इसकी लपटें दूसरी मंजिल तक जा रही थी जिसके कारण बड़ा हादसा होने का डर बना हुआ था। समय रहते दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। इस घटना में ग्राउंड फ्लोर पर रखे फ्रिज, एसी सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। बिल्डिंग में फंसे चारों लोगों को छत पर भेज दिया गया था जिन्हें भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

हिसार में लाखों की चांदी लूट का खुलासा, बस ड्राइवर ही निकला मास्टरमाइंड, स्पेशल स्टाफ ने दबोचा

हिसार : पुलिस अधीक्षक हिसार के निदेशानुसार जिले में चलाए अभियान के तहत स्पेशल स्टाफ व अग्रोहा थाना हिसार को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। स्पेशल स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर पवन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बस यात्री के चांदी से भरे बैग (39.844 किलोग्राम) की चोरी के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह जानकारी हिसार के एसपी मयंक मुदगिल ने पत्रकार वार्ता कर दी।

मामले में बताते हुए एसपी मयंक मुदगिल ने कहा कि रविन्द्र पुत्र कुलदीप सोनी निवासी अग्रोहा ने थाना अग्रोहा में शिकायत दी कि उसकी फतेहाबाद में "देव पायल" नाम से चांदी के सामान की दुकान है। 18 मार्च की रात मथुरा निवासी राजेश शर्मा, मथुरा स्थित Mishka Enterprises व Shree Nath Jewellers से 39.844 किलोग्राम चांदी का सामान लेकर विजय ट्रैवल्स की बस द्वारा फतेहाबाद आ रहा था।

19 मार्च को राजेश शर्मा ने अग्रोहा के पास पहुंचकर फोन के माध्यम से सूचना दी कि बस में रखा चांदी का बैग रास्ते में चोरी हो गया है। इसके

बाद तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचित किया गया। शिकायतकर्ता द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच करने पर पाया गया कि चांदी का बैग चोरी हो चुका है, जिसकी कीमत लगभग 65 लाख रुपये है।

एक यात्री ने बस ड्राइवर पर जताया था संदेह उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना अग्रोहा पुलिस द्वारा तुरंत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम को यात्री राजेश शर्मा ने बताया कि बस ड्राइवर पर मुझे संदेह है। उक्त आधार पर पुलिस टीम द्वारा आरोपी ड्राइवर के मोबाइल नंबर के माध्यम से उसे ट्रैक किया गया तथा मौका मिलते ही आरोपी ड्राइवर को बस स्टैंड हिसार पर हांसी जाने वाले साधन का इंतजार करते हुए काबू किया गया। आरोपी की पहचान सतपाल पुत्र हरदत निवासी अरनियावाली, जिला सिरसा के रूप में हुई है।

बस ड्राइवर ने वारदात की बनाई थी योजना पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बस में नियमित रूप से यात्रा करने वाला यात्री राजेश शर्मा अपने साथ हमेशा चांदी लेकर आता था। आरोपी ने इस पर नजर रखते हुए वारदात की योजना बनाई थी। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से चोरी की गई 39.844 किलोग्राम चांदी बरामद कर ली गई है। आरोपी को कल अदालत में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

ग्रीष्मकालीन उड़द की खेती

गर्मी का मौसम आ गया है। खेतों में नई फसल बोने का समय आ गया है। ऐसे में आज हम एक ऐसी दलहनी फसल की खेती के बारे में बताएंगे जिसकी बाजार में पूरे साल मांग रहती है। उड़द की खेती दलहनी फसलों की श्रेणी में गिनी जाती है। कम समय में अधिक मुनाफा कमाने के लिए विशेषज्ञ उड़द की खेती करने की सलाह देते हैं। यह 60 से 65 दिन में तैयार होने वाली फसल है। इसके अलावा इसके पोषक तत्वों के कारण बाजार में भी इसकी अच्छी मांग है।

दलहनी फसलों में उड़द एक प्रमुख फसल मानी जाती है। इसकी खेती के लिए गर्मी का मौसम सही समय है क्योंकि इस समय तापमान में नमी कम होती है। उड़द की खेती के लिए गर्मी का मौसम सबसे उपयुक्त माना जाता है. इसकी बुआई अप्रैल के पहले सप्ताह में शुरू कर देनी चाहिए क्योंकि इसकी वृद्धि के लिए 30 से 40 डिग्री का तापमान उपयुक्त होता है.

उड़द की बुवाई गर्मी के मौसम में करने की सलाह दी जाती है। इसे फरवरी के अंतिम सप्ताह और मार्च के पहले सप्ताह में वसंत और गर्मियों में और खरीफ मौसम में जून और जुलाई के महीने में बोया जाना चाहिए। इसके लिए 25 से 35 डिग्री का तापमान अच्छा होता है। इसकी खेती के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है, उड़द की खेती लगभग 700 से 900 मिमी वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाती है। पौधों को कम से कम 10 सेमी की दूरी पर बोना चाहिए और बीज भी लगभग 4 से 6 सेमी की गहराई पर बोया जाना चाहिए। इन फफूंदनाशक से हम उड़द बीच का उपचार कर सकते हैं, हमें फफूंदनाशक जैसे केप्टन या थायरम आदि का प्रयोग करना चाहिए। साथ ही राइजोबियस कल्चर द्वारा इस उपचार के बाद किसान अपनी फसल का 15% उपज बढ़ा सकते हैं।

उड़द की उन्नत किस्मे

वैसे तो बाजार में कई प्रकार की उन्नत किस्म हमें मिलती है जिन्हे अलग-अलग जलवायु के हिसाब से अधिक उत्पादन के लिए पूरे भारत में उगाया जाता है, आइये जानते है उड़द की प्रमुख किस्में :

टी. 19
पंत यु 19
कृष्णा
पंत यु 19
जे.वाई.पी.
आर.बी.यू. 38
यु.जी. 218
एल बी जी- 20
के यू- 309
ए डी टी- 4
ए डी टी- 5
जवाहर उड़द 2
आजाद उड़द- 1
वांबन- 1,

कीटों और बीमारियों से बचाएं

उड़द की फसल में कीट एवं रोग लगने का खतरा रहता है। ऐसे में समय रहते इसका प्रबंधन कर किसान अपनी फसलों को नुकसान से बचा सकते हैं. फसलों में लगने वाले रोगों की पहचान करें, फिर उसके अनुसार उपरोक्त कीटनाशकों का छिड़काव करें। अलग-अलग बीमारियों के लिए अलग-अलग दवाओं का छिड़काव किया जाता है। ऐसे में इसके लिए किसी फसल डॉक्टर से संपर्क करें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

ग्रीष्मकालीन खेती के लिए खेत तैयार करते समय उर्वरकों के उपयोग की बात करें तो यदि संभव हो तो गोबर की खाद का उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए आप प्रति एकड़ डेढ़ से दो ट्रॉली गोबर की खाद दे सकते हैं, जो कार्बन से भरपूर होती है। जड़ों के विकास के लिए गाय का गोबर बहुत ही महत्वपूर्ण उर्वरक है।

रासायनिक उर्वरकों की बात करें तो 100 किलोग्राम एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) दिया जा सकता है, जिसमें सल्फर होता है। इसके अलावा इसमें कई पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। उड़द एक दलहनी फसल है जिसमें सल्फर की भी आवश्यकता होती है। इसके साथ ही 20 किलो पोटाश उर्वरक ले सकते हैं. इन उर्वरकों को खेत की तैयारी के समय छिड़का जा सकता है और रोटावेटर या कुदाल से खेत को समतल किया जा सकता है।

उत्पादन की बात करें तो अगर आप समय पर ध्यान दें और सही तरीके से उड़द की खेती करें तो उत्पादन 4 से 6 क्विंटल प्रति एकड़ होगा। यानी एक बीघे में आपको 2 से 3 या फिर चार क्विंटल तक की पैदावार मिल सकती है।

पृथ्वी पर उगने वाला सबसे पुराना पेड़ है खजूर

खजूर पृथ्वी पर उगने वाला सबसे पुराना पेड़ है। वे कैल्शियम, चीनी, लोहा और पोटेशियम का उत्कृष्ट स्रोत हैं। उनका उपयोग कई सामाजिक और धार्मिक त्योहारों में किया जाता है। इसके अलावा उनके कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जैसे कि कब्ज, हृदय रोग को कम करना, दस्त को नियंत्रित करना और गर्भावस्था में मदद करना। इसका उपयोग विभिन्न उत्पादों जैसे चटनी, अचार, जैम, जूस और अन्य बेकरी आइटम बनाने के लिए भी किया जाता है।

फसल की किस्म

मेडजूल : देर से परिपक्व होने वाली किस्म, फल आकार से 75-100 किग्रा की औसत उपज प्राप्त की जाती है।

खूनेझी : प्रारंभिक परिपक्व किस्म। फल लम्बी आकृति वाले लाल रंग के होते हैं। यह उच्च आर्द्रता स्तर में सामना कर सकता है। प्रति पेड़ 40 किलोग्राम की औसत उपज प्राप्त की जाती है।

खलस : फल लम्बी आकृति के और मध्यम आकार के होते हैं। फल पीले भूरे रंग के होते हैं। फलों की मिठास मध्यम है, न बहुत कम और न ही बहुत अधिक।

बुवाई का समय

बुवाई फरवरी से मार्च महीने में और अगस्त से सितंबर महीने में की जाती है।

दुरी

रोपाई के लिए 6 मीटर या 8 मीटर के फासले पर 1 मीटर × 1 मीटर × 1 मीटर आकार के गड्ढे खोदें।

बीज की गहराई

रोपाई के लिए 1 मीटर × 1 मीटर × 1 मीटर आकार के गड्ढे खोदें।

बुवाई का ढंग

मुख्य खेत में वानस्पतिक भाग की रोपाई की जाती है।

बीज की मात्रा

जब 6 मीटर की दूरी पर रोपने के लिए पंक्ति और पौधे का उपयोग किया जाता है, तो एक एकड़ में लगभग 112 अंकुर होते हैं। 8 मीटर के लिए 8 मीटर की दूरी पर 63 अंकुर प्रति एकड़ के हिसाब से होते हैं।

बीज का उपचार

जड़ों को प्रोत्साहित करने के लिए, गड्ढे में रोपाई से पहले, आईबीए - 1000 पीपीएम और क्लोरपाइरीफोस - 5 मिली प्रति लीटर पानी में दो से पांच मिनट के लिए चूसक के बेस को डुबो दें।

खाद एवं रासायनिक उर्वरक

सितंबर से अक्टूबर महीने में, युवा पौधों के लिए खाद - 10-15 किलोग्राम और परिपक्व पौधे के लिए 30-40 किलोग्राम प्रति पेड़ का जरुरत होती है। परिपक्व वृक्ष पर एक वर्ष के पौधे पर यूरिया-4.4 किग्रा लगाया जाता है। यूरिया का अनुप्रयोग दो समान विभाजन में किया जाता है, पहली खुराक फूल देने से पहले दी जाती है और शेष आधी खुराक अप्रैल में फल सेट होने के बाद दी जाती है।

खजूर पृथ्वी पर उगने वाला सबसे पुराना पेड़ है। वे कैल्शियम, चीनी, लोहा और पोटेशियम का उत्कृष्ट स्रोत हैं। उनका उपयोग कई सामाजिक और धार्मिक त्योहारों में किया जाता है। इसके अलावा उनके कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जैसे कि कब्ज, हृदय रोग को कम करना, दस्त को नियंत्रित करना और गर्भावस्था में मदद करना। इसका उपयोग विभिन्न उत्पादों जैसे चटनी, अचार, जैम, जूस और अन्य बेकरी आइटम बनाने के लिए भी किया जाता है।

खरपतवार नियंत्रण

खेत में खरपतवार नियंत्रण हेतु निराई गुड़ाई करें और खेत को साफ़ रखे।

सिंचाई

ग्रीष्मकाल में, सिंचाई 10-15 दिनों के अंतराल पर और सर्दियों में सिंचाई 30-40 दिनों के अंतराल पर दी जाती है। पौधों को घिरने के बाद पूर्व सिंचाई आवश्यक है। फलों के सेट के बाद सिंचाई नियमित अंतराल पर दी जाती है।

फसल की अवधि

खजूर के पौधे को फल लगने से पहले 4 से 8 साल लग सकते हैं, और 7 से 10 साल के बीच व्यावसायिक फसल के लिए व्यवहार्य पैदावार देने लगेंगे।

कटाई का समय

रोपण के चार से पांच साल बाद, खजूर का पेड़ पहली फसल के लिए तैयार होता है। फलों की कटाई तीन चरणों में की जाती है, खल या डोका चरण (ताजे फल), नरम या पकने की अवस्था (पिंड) और शुष्क अवस्था (चौहारा)। मानसून के मौसम की शुरुआत से पहले फलों की कटाई पूरी करें।

उत्पादन क्षमता

खजूर के पौधे को फल लगने से पहले 4 से 8 साल लग सकते हैं, और फल और 7 से 10 साल के बीच व्यावसायिक फसल के लिए व्यवहार्य पैदावार देना शुरू कर देंगे।

सफाई और सुखाने

डोका चरण में कटाई के बाद, फलों को साफ पानी से धोएं। चूहड़ा बनाने के उद्देश्य के लिए, उन्हें 80 से 120 घंटों के लिए 40-45 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर धूप में या ड्रायर में सुखाया जाता है।

कुछ फसलें जो आपको गर्मियों में अच्छा मुनाफा दिला सकती हैं!

गर्मी का मौसम किसानों और बागवानों दोनों के लिए बहुत सारे अवसर लेकर आता है। लंबे दिन, भरपूर धूप और गर्म मौसम कई पौधों को अच्छी तरह से बढ़ने में मदद करते हैं। चाहे आप एक व्यावसायिक किसान हों जो अपनी आय बढ़ाना चाहते हैं या एक घरेलू माली जो अच्छी फसल की उम्मीद कर रहे हैं, सही फसल चुनना महत्वपूर्ण है। इस ब्लॉग में, आइए गर्मियों में उगाई जाने वाली कुछ बेहतरीन फसलों पर नज़र डालें और सफलता के लिए सुझाव साझा करें।

गर्मियों में लाभदायक फसल के लिए इन फसलों पर विचार करें :

टमाटर -

टमाटर गर्मियों की एक लोकप्रिय फसल है जो अच्छा मुनाफा ला सकती है। इनका उपयोग सलाद से लेकर सॉस तक कई व्यंजनों में किया जाता है और इनकी हमेशा मांग रहती है। चेरी, बीफ़स्टीक और हीरलूम टमाटर जैसी किस्में हमेशा ग्राहकों द्वारा पसंद की जाती हैं। उन्हें अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी, भरपूर धूप और नियमित पानी की आवश्यकता होती है। सही देखभाल के साथ, वे निवेश पर बढ़िया रिटर्न दे सकते हैं।

खीरे - खीरे गर्मियों की एक तेज़ी से बढ़ने वाली फसल है जो अच्छी उपज देती है। वे सलाद, अचार और यहां तक ??कि सौंदर्य उत्पादों के लिए भी बहुत अच्छे हैं। खीरे गर्म मौसम में पनपते हैं और कड़वाहट से बचने के लिए उन्हें लगातार पानी देने की ज़रूरत होती है। ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज ढांचे का उपयोग करने से जगह बचाने और हवा के प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है, जिससे बीमारी की संभावना कम हो जाती है।

शिमला मिर्च

शिमला मिर्च रंग-बिरंगी, पौष्टिक होती है और बहुत लाभदायक हो सकती है। ये हरे, लाल, पीले और नारंगी जैसे कई रंगों में आती हैं, जो अलग-अलग बाजारों को आकर्षित करती हैं। इन्हें गर्म मौसम और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी पसंद होती है। इनकी देखभाल करना आसान है और ये स्थानीय और व्यावसायिक दोनों ही बाजारों में अच्छी तरह बिक सकती हैं। शिमला मिर्च महंगी सब्जियों में से एक है जिसकी हमेशा मांग रहती है।

तोरी और समर स्क्वैश

तोरी और समर स्क्वैश जल्दी उगते हैं और कम समय में बहुत ज़्यादा उपज देते हैं। इन्हें पकाने में आसानी होती है और इन्हें कई व्यंजनों में मिलाया जा सकता है। इन पौधों को बहुत ज़्यादा धूप और लगातार पानी की ज़रूरत होती है। इन्हें कम उम्र में ही तोड़ लेने से इनका स्वाद और बनावट सबसे बढ़िया होती है। तोरी अपने पोषण मूल्य के कारण बहुत ज़्यादा महत्व प्राप्त कर रही है।

तरबूज

एक पका हुआ तरबूज गर्मियों का सच्चा प्रतीक है। यह फल बाज़ारों में बहुत लोकप्रिय है, खासकर गर्म मौसम में। तरबूज़ को लंबे समय तक उगने, पर्याप्त जगह और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की ज़रूरत होती है। उन्हें नियमित रूप से खाद की आवश्यकता होती है क्योंकि वे बहुत ज़्यादा खाते हैं। सही देखभाल के साथ, तरबूज़ बहुत फ़ायदेमंद हो सकते हैं।

ओकरा

ओकरा या भिंडी को गर्मी पसंद होती है और गर्मियों में यह अच्छी तरह उगती है। यह कई व्यंजनों में एक मुख्य घटक है और इसके स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। ओकरा को पूरी धूप और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की आवश्यकता होती है। इसे नियमित रूप से चुनने से यह अधिक उत्पादन में मदद करता है, जिससे यह किसानों के लिए एक अच्छा विकल्प बन जाता है।

तुलसी, पुदीना और धनिया

- तुलसी, पुदीना और धनिया जैसी जड़ी-बूटियाँ हमेशा लोकप्रिय होती हैं, खासकर गर्मियों में जब ताज़ी सामग्री की मांग होती है। इन जड़ी-बूटियों को उगाना आसान है, इन्हें कम जगह की आवश्यकता होती है और इन्हें अच्छी कीमत पर बेचा जा सकता है। ये छोटे किसानों या सीमित क्षेत्रों वाले लोगों के लिए आदर्श हैं।

मक्का

स्वीट कॉर्न गर्मियों में सबसे ज़्यादा पसंद किया जाने वाला पौधा है और किसानों के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है। इसे भरपूर धूप, उपजाऊ मिट्टी और नियमित रूप से पानी देने की आवश्यकता होती है। मकई को अक्सर सीधे ग्राहकों को बेचा जाता है या डिब्बाबंद मकई या पॉपकॉर्न जैसे उत्पादों में बनाया जाता है। इसकी उच्च मांग इसे गर्मियों में रोपण के लिए एक भरोसेमंद विकल्प बनाती है।

आम -

'फलों के राजा' के रूप में जाने जाने वाले आम गर्मियों के लिए बहुत लाभदायक फसल हैं। हालाँकि आम के पेड़ों को बढ़ने में कई साल लगते हैं, लेकिन स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उनकी उच्च मांग के कारण वे बहुत अच्छा रिटर्न देते हैं। नए संकर प्रकार तेज़ी से बढ़ते हैं, जिससे किसानों को जल्दी पैसा कमाने में मदद मिलती है।

गर्मियों की खेती के लिए सही फसल चुनने से बहुत फ़ायदा हो सकता है। अच्छी योजना, पानी और मार्केटिंग से किसान अपना मुनाफ़ा बढ़ा सकते हैं। चाहे आप आम और तरबूज जैसे फल उगाएँ या टमाटर और मिर्च जैसी सब्जियाँ, स्थानीय ज़रूरतों को समझना और खेती के तरीकों में सुधार करना ज़रूरी है। सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करके, आप गर्मियों की खेती को एक सफल व्यवसाय बना सकते हैं!

राजकुमार राव की अगली फिल्म 'रफ्तार' में कीर्ति सुरेश होंगी फीमेल लीड

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'मालिक' में खूंखार लुक में नजर आए थे। अब उनकी आने वाली फिल्म अनाउंसमेंट हो गई है। एक्टर और मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी शेयर की।

राजकुमार राव अगली फिल्म 'रफ्तार' में नजर आएंगे। उनके साथ साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश लीड रोल में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर कर रहे हैं, जबकि इसे राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा अपने बैनर कम्पा फिल्म के तहत प्रोड्यूस कर रही हैं।
फिल्म की कहानी तेजी से बढ़ती स्टार्टअप की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें एक ऐसे लड़के और लड़की की कहानी दिखाई जाएगी जो सफलता पाने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी हैं। जैसे-जैसे पैसा, ताकत और लालच बढ़ता है, वैसे-वैसे उनके रिश्ते की भी परीक्षा होने लगती है। बताया जा रहा है कि फिल्म भारत के कॉमर्शियल एजुकेशन सिस्टम पर एक सटायर भी है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे कई बार ज्ञान से ज्यादा मुनाफे को अहमियत दी जाती है। कहानी यह सवाल भी उठाती है कि सफलता पाने की कीमत क्या होती है और क्या वह कीमत सच में सही है। जैसे ही पोस्ट शेयर की गई, उसके बाद से ही फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। फिल्म के नाम को देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि ये रैपर रफ्तार की बायोपिक है, और लोग बड़े उत्साह से कमेंट में रैपर रफ्तार की तारीफें कर रहे हैं। हालांकि अभी ऐसी कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है, जिसमें ऐसा जिक्र किया गया हो कि ये मूवी रैपर रफ्तार की जिंदगी पर आधारित होगी।

कब रिलीज होगी मूवी?

इस फिल्म में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश के अलावा तान्या मानिकतला, रजत कपूर, अनुराग ठाकुर और रोहन वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सरके चुनर' विवाद से नोरा ने पल्ला झाड़ा

कन्नड़ फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' विवादों में है। इस गाने पर नोरा फतेही ने डांस किया है। दो दिन पहले ये गाना यूट्यूब पर रिलीज हुआ। रिलीज होते ही यह विवादों में आ गया। विवाद में आने के बाद गाने को मेकर्स ने सोशल मीडिया से हटा लिया है। नोरा फतेही ने इस विवाद से खुद को अलग कर लिया है।

नोरा की पोस्ट में क्या है?

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में नोरा फतेही ने अपना एक वीडियो शेयर करते हुए एक पोस्ट लिखी। इसमें उन्होंने लिखा 'मैं बिल्कुल नहीं चाहूंगी कि कोई यह सोचे कि मैं इस गाने का समर्थन करती हूं। आपकी कड़ी प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, क्योंकि इसी दबाव की वजह से फिल्म बनाने वालों ने इसे हटा लिया है।' उन्होंने आगे कहा 'मैं आप सभी से यह भी गुजारिश करूंगी कि इस गाने को शेयर करना बंद कर दें, क्योंकि आप इसे बेवजह एक प्लेटफॉर्म दे रहे हैं। मैं देख रही हूं कि आप में से कुछ लोग इसे मेरे चरित्र पर हमला करने के एक मौके के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।'

गाने के बारे में नहीं थी जानकारी

उन्होंने आगे कहा 'मुझे इस हिंदी गाने के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। मैंने इस पर कोई परफॉर्मेंस नहीं दी। मेरी तस्वीर के साथ इसका इस्तेमाल करने के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी।' यह गाना 3 साल पहले कन्नड़ भाषा में शूट किया गया था।

लेखक ने झाड़ा पल्ला

ख्याल रहे कि गाने पर विवाद होने के बाद इसके लेखक रकीब आलम ने भी विवाद से अपना पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने कहा कि वह इस गाने को नहीं लिखना चाहते थे, निर्देशक के कहने पर कन्नड़ में लिखे गाने को वर्ड टू वर्ड ट्रांस्लेट किया है।

पहला गाना विवादों में

इस गाने को सिंगर मंगली ने गाया है। वह साउथ की सिंगर हैं। उन्होंने इस गाने से हिंदी में डेब्यू किया था, हालांकि उनका पहला ही गाना विवादों में आ गया।

80 करोड़ में बिके अक्षय और सैफ की 'हैवान' के राइट्स

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 2026 की चर्चित रिलीज में शामिल है। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। हाल ही में खबर आई थी कि सोनी नेटवर्क ने फिल्म के सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स हासिल कर लिए हैं। नई जानकारी के मुताबिक इस फिल्म के नॉन-थिएट्रिकल राइट्स 80 करोड़ रुपए की बड़ी रकम में बेचे गए हैं। सूत्रों के अनुसार... 'फिल्म को लेकर बाजार में उत्साह था और कई प्लेटफॉर्म्स इसे खरीदने की होड़ में थे। हालांकि सबसे ऊंची बोली सोनी नेटवर्क की रही, जिसने 80 करोड़ रुपए में सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स अपने नाम किए। इस डील के साथ ही फिल्म की टीम अपनी लागत का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पहले ही वसूल कर चुकी है। फिल्म की रिलीज अगस्त महीने में हो सकती है। मेकर्स इसे किसी बड़ी टक्कर से बचाते हुए सोलो रिलीज देना चाहते हैं, ताकि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर साफ रन मिल सके।'

मुश्किल वक्त को खुद पर हावी नहीं होने देता

मुश्किल दौर से हाल ही में निकले कमीडियन व अभिनेता राजपाल यादव ने मुश्किल समय में अपनी भावनात्मक मजबूती और सकारात्मक सोच के बारे में खुलकर बात की। पिछले कुछ महीनों से चल रहे कानूनी मामलों और निजी परेशानियों के बावजूद एक्टर ने हिम्मत नहीं हारी और काम पर पूरा फोकस रखा। आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर अपनी राय रखी। राजपाल यादव से पूछा गया कि क्या ये चुनौतियां उनके काम और मनोबल पर असर डालती हैं। तो उन्होंने बताया, 'हर दिन एक नई शुरुआत होती है। हर दिन काम का दिन होता है। हर दिन एक नया दिन होता है।'
एक्टर ने कहा कि वह मुश्किलों को खुद पर हावी नहीं होने देते, बल्कि हर सुबह नई उम्मीद के साथ उठते हैं और अपनी कला पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने बातचीत में सकारात्मकता के लिए ईश्वर का आभार भी जताया। राजपाल यादव ने कहा, 'भगवान सबका भला करे। आजादी से सब सांस लें।' इससे पहले एक्टर ने बताया था कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने बताया कि ऐसी खबरें फैलाने वाले ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं।

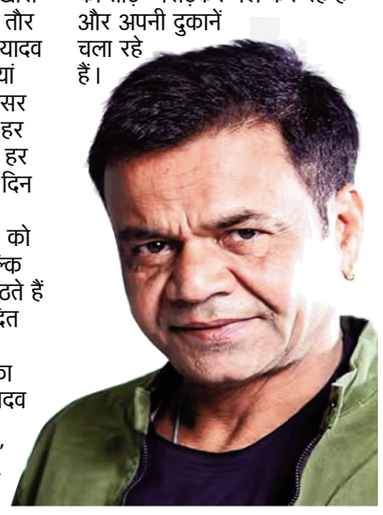

निकिता दत्ता ने जुबीन नौटियाल से शादी की खबरों पर की बात

कई सेलेब्रिटीज के बाद अब अभिनेत्री निकिता दत्ता ने भी इंडस्ट्री में होने वाले पीआर गेम पर बात की। साथ ही उन्होंने सुर्खियां बटोरने के लिए फैलाई जाने वाली अफवाहों की खुलकर आलोचना की। इस दौरान एक्ट्रेस ने सिंगर जुबीन नौटियाल के साथ अपने रिलेशनशिप और शादी की खबरों पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री का कहना है कि वह अनजाने में भी अफवाहों का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं।
बातचीत के दौरान निकिता ने जुबीन नौटियाल के साथ अपनी शादी की अफवाहों पर कहा कि पीआर के बारे में मेरी समझ की बात करें, तो बेशक यह बहुत देर से आई। यह एक ऐसी बात है, जिसका मुझे अफसोस है और काश कबीर सिंह के रिलीज होने के समय मुझे इस बात की थोड़ी बेहतर जानकारी होती कि चीजें कैसे काम करती हैं। दूसरी बात अगर आप इन सभी वर्षों में मेरे करियर को देखें, तो मैंने व्यक्तिगत और निजी जीवन के बीच एक सीमा बनाए रखी है। इस सीमा को मैंने कभी पार नहीं किया है। आपने मेरे बारे में कभी भी मनगढ़ंत अफवाहें नहीं सुनी होंगी। मैं वैसी इंसान नहीं हूं। मैं न तो ऐसी अफवाहें फैलाना पसंद करती हूं और न ही उनका हिस्सा बनना, चाहे अनजाने में ही क्यों न हो। मैं ऐसी चीजों का समर्थन नहीं करती। मार्केटिंग स्ट्रेटजी के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्रोडक्शन हाउस का निर्णय होता है।
बीते दिनों निकिता को जुबीन नौटियाल के साथ सिंगर के होम टाउन में देखा गया था। इसके बाद ही दोनों के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं सामने आई थीं। हालांकि, अब निकिता ने साफ तौर पर तो शादी के सवाल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उन्होंने अफवाहों और पीआर गेम की बात करते हुए इशारों में इसे गप्प बता दिया।

सलमान की 'बैटल ऑफ गलवां' का बदला नाम

सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म का नाम ही बदल दिया है। अब सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के नाम से रिलीज नहीं होगी। इसकी जानकारी देते हुए मेकर्स ने फिल्म के नए नाम की भी घोषणा कर दी है।

मेकर्स ने बताया नया नाम

फिल्म के लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सलमान खान ने आज फिल्म के नए नाम के साथ एक नया पोस्टर साझा किया है। पोस्टर में सलमान खान सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। इंटेंस लुक में सलमान खान की आंखें दिख रही हैं, जिनमें गुस्सा और जोश नजर आ रहा है। उनके चेहरे पर खून लगा हुआ और वो मोटी जंजीर से बंधी एक लकड़ी को पकड़े दिख रहे हैं। उनके पीछे बैकग्राउंड में युद्ध के दौरान सैनिक नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को साझा करते ही मेकर्स ने फिल्म का नया नाम भी रिवील कर दिया है। अब यह फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज होगी।

क्या आगे बढ़ गई रिलीज डेट?

'बैटल ऑफ गलवां' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि सलमान खान ने नाम बदलने वाली जो पोस्ट साझा की है, उसमें कहीं भी फिल्म की रिलीज डेट नजर नहीं आ रही है। न ही फिल्म के पोस्टर पर और न ही कैप्शन में कहीं भी 17 अप्रैल या कोई भी रिलीज डेट नहीं दिख रही है। इसके बाद अब सवाल ये भी उठता है कि क्या फिल्म की रिलीज डेट भी आगे बढ़ गई है?

अपूर्व लाखिया ने किया निर्देशन

'मातृभूमि' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। जबकि फिल्म को सलमान खान फिल्म्स द्वारा के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में गोविंदा के भी नजर आने की संभावना है। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

महाड़ सत्याग्रह के 99 वर्ष - पानी पीने के अधिकार से गरिमा और सामाजिक न्याय की लड़ाई का स्मरण

मुंबई (सब का सपना):- 20 मार्च 1927 को महाड़ के चावदार तालाब पर डॉ. भीमराव आंबेडकर ने पानी पीकर भारतीय समाज में व्याप्त जातिवाद को खुली चुनौती दी थी। यह घटना केवल पानी के अधिकार की लड़ाई नहीं थी, बल्कि दलितों की मानवीय गरिमा और समानता के लिए एक ऐतिहासिक उद्घोषणा थी। महाड़ सत्याग्रह ने दलित आंदोलन की नींव रखी और भारतीय लोकतंत्र में सामाजिक न्याय की दिशा तय की। शुक्रवार को इस सत्याग्रह के 99 वर्ष पूरे हो गए हैं। यह अवसर हमें उस संघर्ष की याद दिलाता है जिसने दलितों को संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए लड़ने की प्रेरणा दी। पानी का अधिकार उस समय जीवन और अस्तित्व का प्रश्न था। तालाब का पानी पीना उस व्यवस्था को तोड़ने का प्रतीक था जिसने दलितों को सार्वजनिक संसाधनों से वंचित रखा। इस अवसर पर सृजन साहित्य संवाद ने फेसबुक लाइव के माध्यम से एक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों और देशों से वक्ताओं ने भाग लिया और महाड़ सत्याग्रह की ऐतिहासिक विरासत पर अपने विचार रखे। इलाहाबाद से गुरु प्रसाद मदन ने अपने वक्तव्य में महाड़ सत्याग्रह को दलित आंदोलन की चेतना का प्रारंभिक बिंदु बताया। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष केवल पानी तक सीमित नहीं था, बल्कि यह दलितों के सामाजिक और राजनीतिक अधिकारों की नींव बना। नीदरलैंड से प्रियंवदा ने अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इस आंदोलन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाड़ सत्याग्रह हमें यह सिखाता है कि समानता और गरिमा की लड़ाई वैश्विक स्तर पर भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी भारत में। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर मिलिंद अवाड ने अपने विचारों में दलित लेखन और महाड़ सत्याग्रह के बीच संबंध को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन दलित साहित्य की वैचारिक नींव बना और

आज भी साहित्यिक विमर्श में इसकी गूंज सुनाई देती है। राजस्थान की प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. कुसुम मेघवाल ने दलित महिलाओं के अनुभवों को केंद्र में रखते हुए कहा कि पानी का अधिकार उनके लिए केवल घरेलू कामकाज का साधन नहीं था, बल्कि यह उनके अस्तित्व और सम्मान का सवाल था। महाड़ सत्याग्रह ने उन्हें भी नई चेतना दी। युवा दलित साहित्यकार आर. एस. आघात ने अपने वक्तव्य में कहा कि महाड़ सत्याग्रह आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने इसे दलित आंदोलन की वह मशाल बताया जो आने वाली पीढ़ियों को समानता और न्याय की राह दिखाती रहेगी। आज भी समाज में ऐसे हालत हैं कि पानी का मटका छूने मात्र से एक दलित छात्र को पीट पीटकर मार दिया जाता है । कार्यक्रम की संयोजक प्रसिद्ध लेखिका और साहित्यकार अनिता भारती थीं। उन्होंने इस आयोजन को एक ऐतिहासिक स्मरण और वर्तमान संघर्षों से जोड़ने वाला संवाद बताया। महाड़ सत्याग्रह की विरासत हमें यह सिखाती है कि अधिकारों की लड़ाई में समुदाय की भागीदारी निर्णायक होती है। जब हम दलित आंदोलन की बात करते हैं, तो उसमें दलित समाज की कहानियाँ, उनके संघर्ष और उनकी आवाज को शामिल करना अनिवार्य है। यही दृष्टि हमें इतिहास को नए सिरे से पढ़ने और वर्तमान को बदलने की ताकत देती है। आज के कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि महाड़ सत्याग्रह केवल अतीत की घटना नहीं है, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करने वाला आंदोलन है। यह हमें बताता है कि पानी और गरिमा की लड़ाई आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी 1927 में थी। कार्यक्रम में शामिल दर्शकों और श्रोताओं के अनुसार महाड़ सत्याग्रह की 99वीं वर्षगांठ पर आयोजित यह कार्यक्रम केवल इतिहास का स्मरण नहीं था, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करने वाला संवाद भी था। यह हमें बताता है कि समानता और गरिमा की लड़ाई आज भी जारी है और जब तक हर व्यक्ति को बराबरी और सम्मान नहीं मिलेगा, तब तक सामाजिक न्याय अधूरा रहेगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।